हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलवार | 03 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 197 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

सरकार से नाराज हैं नीतीश की जीविका दीदियां,

यात्रा के दौरान कोर वोटर का विरोध झेलने का खतरा

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महिला संवाद कार्यक्रम के जरिए 15वीं यात्रा पर निकल रहे नीतीश कुमार को मानदेय बढ़ाने और स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने जैसी मांगों को लेकर जीविका दीदियों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी कोर वोटर महिलाओं का मन-मिजाज समझने के लिए बिहार की यात्रा पर निकल रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कुछ जगहों पर जीविका दीदियों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जीविका दीदियां नीतीश के अच्छे-बुरे राजनीतिक दौर में उनके साथ टिकी रही हैं जो उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को मिली चुनावी सफलता की एक वजह है। नीतीश कुमार 15 दिसंबर को पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि नगर से अपनी 15वीं बिहार यात्रा की शुरूआत कर सकते हैं। राज्य सरकार ने इसके लिए 225 करोड़ का बजट मंजूर किया है।शराबबंदी, छात्राओं की मदद के लिए कई तरह की योजनाओं के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सबल बनाने की नीतीश की कोशिशों का नतीजा है कि राज्य की आधी आबादी के बीच उनकी टक्कर का कोई नेता नहीं है।

राज्य में करीब 48 फीसदी वोटर महिलाएं हैं जिनको सरसरी तौर पर नीतीश का कोर वोटर माना जाता है। बिहार में 10.55 लाख से ऊपर स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) काम कर रहा है जिसके साथ राज्य की 1.21 करोड़ महिलाएं सीधे तौर पर जुड़ी हैं। इन महिलाओं को जीविका दीदी के नाम से जाना जाता है। महिलाओं को रोजगार के जरिए खुद के पैर पर खड़ा करने की कोशिश के तहत कौशल विकास से लेकर कर्ज और बाजार तक सरकार इनकी मदद करती है।जीविका दीदियां पिछले कुछ समय से कई तरह की मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं। मानदेय सबसे बड़ा मसला है जिसे श्रम कानूनों के आधार पर बढ़ाकर न्यूनतम 13 हजार से अधिकतम 25 हजार रुपये करने की मांग हो रही है। जीविका दीदियां मानदेय की रकम सीधे अपने खाते में मांग रही हैं और कह रही हैं कि उन्हें पहचान पत्र (आईडी कार्ड), ड्रेस और मोबाइल फोन दिया जाए। जीविका दीदियों की शिकायत है कि उनके ऊपर के अधिकारी उन्हें धमकाते हैं जिससे छुटकारा दिलाने के लिए उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। इनके अलावा भी और कुछ मांगें हैं।भागलपुर में जीविका की एक कोर्डिनेटर अनिता कुमारी सिन्हा कहती हैं कि भागलपुर और दूसरे जिलों में जीविका दीदियां मुख्यमंत्री के महिला संवाद कार्यक्रम का विरोध करेंगी। वो कहती हैं कि हमसे वोटर पहचान पत्र बनवाया जाता है, गांवों में शौचालय निर्माण की निगरानी करवाई जाती है, वृक्षारोपण, आधार कार्ड से जुड़े काम करवाए जाते हैं। कोई भी काम आता है तो हम पर थोप दिया जाता है। इन सबके बाद भी अगर हम ये अतिरिक्त काम करने के कारण मीटिंग में ना जा पाएं तो हमें सेल्फ हेल्प ग्रुप से निकालने की धमकी दी जाती है।नौगछिया की जीविका दीदी कंचन कुमारी कहती हैं- ह्लहम महिलाओं को आजीविका से जोड़ते हैं।

ब्रीफ न्यूज

क्या श्रीकांत शिंदे बनेंगे डिप्टी सीएम? उट के बेटे ने खबरों को किया खारिज

एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर गतिरोध के बीच, शिवसेना सांसद और एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे ने सोमवार को उनके लिए उपमुख्यमंत्री पद की मांग की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों को बेबुनियाद अफवाह बताया और कहा कि वह महाराष्ट्र में किसी भी मंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में देरी हो गई है, जिससे चचाओं और अफवाहों में तेजी आ गई है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को स्वास्थ्य समस्याओं के कारण दो दिनों तक अपने पैतृक स्थान पर आराम करना पड़ा। नतीजतन, अफवाहें और तेज हो गई हैं। मेरे उपमुख्यमंत्री बनने की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन ये खबरें निराधार हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह राज्य या केंद्र में कोई मंत्री पद लेने की योजना नहीं बना रहे हैं और कहा कि वह पार्टी के लिए काम करने को तैयार हैं। उन्होंने मराठी में लिखा कि लोकसभा चुनाव के बाद भी मुझे केंद्र सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला.।

प्रधानमंत्री मोदी ने नड्डा को जन्मदिन की बधाई दी, भाजपा में उनके उल्लेखनीय योगदान को

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा को उनके 64वें जन्मदिन पर बधाई दी और पार्टी में उनके उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा की।

एजेंसी

सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यमैं नड्डा जी को कई वर्षों से जानता हूं और मैंने पार्टी में उनके उल्लेखनीय योगदान को करीब से देखा है। उन्होंने हर संगठनात्मक, विधायी और कार्यकारी जिम्मेदारी को पूरी लगन से निभाया है। वह एक स्वस्थ भारत सुनिश्चित करने के प्रयासों में सबसे आगे हैं।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने राज्यसभा में सदन के नेता को शुभकामनाएं दीं। नड्डा 2020 से सत्तारूढ़ पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नड्डा की सादगी, विनम्रता और दृढ़ता असाधारण है। सिंह ने कहा, उन्होंने (नड्डा ने) पार्टी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नड्डा जी भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी सराहनीय प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा के कई अन्य नेताओं ने राज्यसभा में सदन के नेता को शुभकामनाएं दीं। नड्डा 2020 से सत्तारूढ़ पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नड्डा की सादगी, विनम्रता और दृढ़ता असाधारण है।

तेजस्वी यादव ने CHO परीक्षा रद्द होने पर नीतीश सरकार को घेरा, बोले- फिर पेपर लीक का कारनामा

एजेंसी

पटना: वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी के हवाले से बताया कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर, बुधवार 4 दिसंबर को की जाएगी। पदाधिकारी ने कहा कि यह फैसला भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के बाद आएगा। भगवा पार्टी ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को महाराष्ट्र विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में नामित किया, जहां विधायक अपने नेता का चुनाव करेंगे।गुजरात के पूर्व सीएम और महाराष्ट्र के लिए बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने कहा कि पार्टी ने हम दोनों को महाराष्ट्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। हम पर्यवेक्षक के रूप में जा रहे हैं जहां विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया होगी। केंद्रीय कार्यालय हमें बैठक की तारीख बताएगा और हम जाकर सभी से मिलेंगे और फिर आलाकमान से बात करेंगे। हाईकमान की बात मानें तो विधायक दल के नेता की घोषणा कर दी जायेगी।

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री! 4 दिसंबर को होगी घोषणा, शपथ ग्रहण की तैयारी शुरू

एजेंसी

महाराष्ट्र: वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी के हवाले से बताया कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर, बुधवार 4 दिसंबर को की जाएगी। पदाधिकारी ने कहा कि यह फैसला भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के बाद आएगा। भगवा पार्टी ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को महाराष्ट्र विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में नामित किया, जहां विधायक अपने नेता का चुनाव करेंगे।गुजरात के पूर्व सीएम और महाराष्ट्र के लिए बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक

विजय रूपाणी ने कहा कि पार्टी ने हम दोनों को महाराष्ट्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। हम पर्यवेक्षक के रूप में जा रहे हैं जहां विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया होगी। केंद्रीय कार्यालय हमें बैठक की तारीख बताएगा और हम जाकर सभी से मिलेंगे और फिर आलाकमान से बात करेंगे। हाईकमान की बात मानें तो विधायक दल के नेता की घोषणा कर दी जायेगी। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने सोमवार को घोषणा की कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा ने कहा कि मेरी राय है कि फैसला विधायक दल की बैठक में लिया जाएगा। बीजेपी कोई आश्चर्य नहीं देगी। सुधीर मुनगंटीवार ने आगे कहा कि एकनाथ शिंदे इस फैसले से नाराज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी विभाग को लेकर आपकी अपनी मांगें हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि आप नाराज हैं। वह सभी का अच्छे से ख्याल रखते हैं।

दिल्ली की आप सरकार पर बरसे मनसुख मंडाविया, लगाया शराब बेचने में ज्यादा रुचि लेने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला करते हुए उसपर दिल्ली के निवासियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के बजाय 'शराब बेचने' का आरोप लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मनसुख मंडाविया ने केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और आयुष्मान वय वंदना योजनाओं के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि इनका फायदा दिल्ली के लोगों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने

लिखा है, और हमारा अनुरोध है कि दिल्ली सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। फिर भी वे शराब बेचने में लगे हैं। मंत्री ने आगे कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और आयुष्मान वय वंदना जैसी योजनाओं का लाभ दिल्ली के लोगों को मिलना चाहिए। मंडाविया की टिप्पणी दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आयुष्मान भारत योजना को लागू करने में 'विफलता' पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करने के बाद आई। 28 नवंबर को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा था कि आप सरकार इस योजना को लागू करने के लिए तैयार है। हालाँकि, दिल्ली सरकार के अस्पतालों और आयुष्मान भारत के तहत दी जाने वाली सुविधाओं के बीच विसंगतियाँ हैं।

राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर, जहां हर व्यक्ति दुखी है, नितिन गडकरी ने ऐसा क्यों कहा?

एजेंसी

नयी दिल्ली: नागपुर में ह्यजीवन के 50 स्वर्णिम नियम नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि जीवन समझौतों, बाध्यताओं, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है। उन्होंने कहा कि जो मंत्री बनता है वह इसलिए दुखी रहता है कि उसे अच्छा मंत्रालय नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया तथा मुख्यमंत्री इसलिए तनाव में रहता है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब आलाकमान उसे पद छोड़ने के लिए कह देगा। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएं बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं और उनका

सामना करना तथा आगे बढ़ना ही जीवन जीने की कला है। गडकरी ने कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का एक उद्धरण याद है, जिसमें कहा गया है, ह्यह्यकोई व्यक्ति तब खत्म नहीं होता जब वह हार जाता है। वह तब खत्म होता है जब वह हार मान लेता है।ह्लह्लमंत्री ने राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम को याद करते हुए कहा कि राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर है, जहां हर व्यक्ति दुखी है... जो पार्षद बनता है वह इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला और विधायक इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे मंत्री पद नहीं मिल सका।गडकरी ने कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का एक उद्धरण याद है,।

वक्फ बिल पर गरमाई राजनीति भाजपा नेता का कल्याण बनर्जी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति का नेतृत्व करने वाले भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने पैनल के सदस्य कल्याण बनर्जी पर हमला बोला। कल्याण बनर्जी जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के सदस्य हैं और उन्हें अपनी बात हमारे सामने रखनी चाहिए न कि बाहर बयान देना चाहिए। वह स्पष्ट रूप से तृणमूल कांग्रेस नेता के एक वायरल वीडियो का जिक्र कर रहे थे जिसमें वह बंगाली में बोलते हुए कथित तौर पर कहते हैं कि कोई भी स्थान जहां मुस्लिम नमाज पढ़ते हैं, उसे स्वचालित रूप से वक्फ संपत्ति माना जाएगा। इस बीच, तृणमूल के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वक्फ विधेयक के खिलाफ राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव लाने की योजना पर पाल ने इसे संसदीय लोकतंत्र और संविधान के सिद्धांतों दोनों पर हमला कहा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी सदस्यों की राय और चिंताओं को संबोधित किया है। भाजपा नेता ने कहा कि पिछले तीन महीनों में हमने 29 बैठकें कीं और 147 से अधिक प्रतिनिधिमंडलों को सुना। हमने अपने आदेश के अनुसार सभी संगठनों को अवसर दिया है। यदि विपक्षी सांसदों को लगता है कि अधिक लोगों की बात सुनने की जरूरत है, तो बैठक का बहिष्कार करना सही तरीका नहीं है।

इंडिया गठबंधन में दरार!

कांग्रेस के एजेंडे से TMC का किनारा, खड़गे की बैठक से पार्टी की दूरी

एजेंसी

नई दिल्ली: संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्षी दलों के भीतर एक महत्वपूर्ण दरार उभरी है। इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख घटक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर असहमत हैं। सूत्रों के अनुसार, सूत्रों के अनुसार, टीएमसी ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के एकाकी ध्यान केंद्रित करने पर अपना असंतोष व्यक्त किया है। टीएमसी का मानना है कि विपक्ष को वह अन्य मामलों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो लोगों के लिए अधिक प्रासंगिक हैं। तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में गठबंधन की बैठक में भाग नहीं लिया।संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्षी दलों के भीतर एक महत्वपूर्ण दरार उभरी है। इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख घटक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर असहमत हैं। सूत्रों के अनुसार, सूत्रों के अनुसार, टीएमसी

ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के एकाकी ध्यान केंद्रित करने पर अपना असंतोष व्यक्त किया है। टीएमसी का मानना है कि विपक्ष को वह अन्य मामलों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो लोगों के लिए अधिक प्रासंगिक हैं। तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में ह्यइंडियाह्न गठबंधन की बैठक में भाग नहीं लिया।कांग्रेस और टीएमसी के बीच मतभेद इस बात का संकेत है कि विपक्ष को भारतीय गठबंधन के भीतर एकता बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां कांग्रेस अडानी मामले जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर जोर देती है, वहीं टीएमसी क्षेत्रीय चिंताओं, खासकर बंगाल को प्रभावित करने वाली चिंताओं पर केंद्रित रहती है। यह विभाजन महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में सरकार के एजेंडे का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने की विपक्ष की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।टीएमसी नेताओं का तर्क है कि ये मुद्दे सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं और इन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने पश्चिम बंगाल को महत्वपूर्ण बकाया जारी नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की है, जो अधूरे जीएसटी हस्तांतरण के साथ-साथ 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

सभी के सहयोग से मधुबनी जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है न्याय के साथ विकास की यात्रा में बढ़ते बिहार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोह्ड अबु बकर सिद्दीकी

सभी के सहयोग से मधुबनी जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।न्याय के साथ विकास की यात्रा में बढ़ते बिहार के साथ कदम से कदम मिलाकर मधुबनी जिला भी चल रहा है।उक्त बातें जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जिला स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन के उपरांत अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान फेज दो के अंतर्गत जिले के 386 पंचायत में से 367 पंचायत में घर-घर से कचरा का उठाव किया जा रहा है। 240 पंचायत में जैविक खाद्य का निर्माण किया जा रहा है।प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत इस वर्ष 12344 लोगों को प्रथम किस्त का भुगतान एवं 1300 आवास पूर्ण किया गया है वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत 1260 आवास की स्वीकृति एवं प्रथम किस्त 1004 को पूर्ण किया गया है।वित्तीय* वर्ष 2024 25 में 3958811 मानव दिवस का सृजन

किया गया है जिसमें कुल 108406 परिवार को रोजगार दिया गया है। जल जीवन हरियाली अंतर्गत जिले में हरित आवरण को बढ़ाने, जल संरक्षण आदि को लेकर कई कार्य किया जा रहे हैं। इस वर्ष 1117 सोकपिट का निर्माण किया गया है। इस वर्ष 892000 पौधारोपण किया गया है ।42 चेकडैम का निर्माण किया गया है। 998 नए जल स्त्रोत का कार्य पूर्ण किया गया है। 88 सरकारी भवनों में छत वर्षा जल संचयन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 44 आहार आहार का जीर्णोद्धार किया गया है वहीं 894 पाइन का जीर्णोद्धार किया गया है।जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान के दिनों में जिले के भूजल स्तर को देखते हुए हमें अधिक से अधिक वर्षा जल का संचयन करना होगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने घरों में छत वर्षा जल संचयन का निर्माण जरूर करे ताकि वर्षा जल का संचयन किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में इस वर्ष अब तक कन्या उत्थान योजना अंतर्गत विभिन्न श्रेणियां में कुल 15904 बच्चों का पंजीकरण किया गया है इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जिसमें प्रथम बार गर्भधारण करने वाली माता को दो किस्तों में ?5000 की राशि दी जाती है ।इस वर्ष कुल 16490 लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन हुआ जिसमें 4850 लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हो चुका है। मधनिषेध विभाग द्वारा शराबबंदी कानून को पूरी सख्ती से लागू किए जाने हेतु लगातार छापेमारी गिरफ्तारी एवं वाहनों की जप्ती आदि कार्रवाई की जा रही है।इस वर्ष लगभग 45000 लीटर देसी तथा 1000 लीटर विदेशी शराब जप्त किए गए हैं। इस वर्ष 329 दो पहिया 14 तीन पहिया तथा 604 चार पहिया वाहन को भी* जप्त किया गया है।शराब बंदी को सख्ती से लागू करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार एवं अधीक्षक मधनिषेध श्री विजयकांत ठाकुर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया जिससे निश्चय ही जिले का गौरव स्तर पर बढ़ा है। अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित बालिका छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के उपरांत अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय द्वारा प्रति छात्र 15000 की दर से कुल 1637 छात्राओं के मध्य कल 2.37 करोड़ की राशि का वितरण किया जा चुका है।

एसडीओ ने की विभिन्न विभागों की प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाता प्रखंड कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला पदाधिकारी बेगूसराय केंद्र दिशा अनुसार समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी बखरी सौरभ कुमार सन्नी ने की।इस दौरान प्रखण्ड के अंचल,बाल परियोजना,चिकित्सा, पंचायत राज,शिक्षा, पशुपालन,कृषि, सहकारिता,आपूर्ति, सांख्यिकी,जीविका, विद्युत,मनरेगा,आवास योजना,पीएचइडी विभाग,उद्यान,श्रम प्रवर्तन एवं विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षा बैठक की गई।विदित हो की 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दौरा बेगूसराय जिला में होने वाला है।इसी परिपेक्ष में नावकोठी प्रखंड के सभी विभागों से समीक्षा रिपोर्ट लेकर जिलाधिकारी बेगूसराय को प्रेषित किया जाना है।इस दौरान बीडीओ चिरंजीव पांडेय,सी ओ सूरज कुमार,थानाध्यक्ष दिनेश कुमार,कृषि पदाधिकारी ओम प्रकाश यादव,सांख्यिकी पदाधिकारी मनोज कुमार चौरसिया, जीविका से मनोरंजन कुमार,पशुपालन पदाधिकारी विष्णु देव पोद्दार,बीसीओ अनिल चौधरी,सीडीपीओ मोनिका रानी,श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी मेघा वर्मा,बीएचएम आनंद ईश्वर,कनिय विद्युत अभियंता नीरज कुमार आदि मौजूद थे।

रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की खिलाड़ी खुशबू का चयन भारतीय सिनियर महिला हैंडबॉल टीम में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। एशियन हैंडबॉल फेडरेशन द्वारा भारत की राजधानी नई दिल्ली में 3 दिसंबर से 11 दिसंबर 2024 तक आयोजित 20वीं एशियन सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की खिलाड़ी खुशबू कुमारी का चयन किया गया है।रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक सह मुख्य कोच संजय पाठक ने बताया कि खुशबू का चयन गुजरात के गांधीनगर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में 21 से 29 नवंबर 2024 तक आयोजित प्रशिक्षण सह चयन शिविर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया। उन्होंने बताया कि पूरे भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से लगभग 70 महिला खिलाड़ी भारतीय खेल प्राधिकरण में ट्रायल देने के लिए पहुंची थी जिनमें बेहतर प्रदर्शन के आधार पर खुशबू का चयन किया गया। विदित हो कि खुशबू आसांव थाना के शनिचरा टोला निवासी पिता पंचदेव यादव एवं माता पानमती देवी की सबसे बड़ी संतान है । खुशबू रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में आवासीय प्रशिक्षु खिलाड़ी हैं ।इसके पूर्व भी खुशबू एशियन यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप में शामिल होकर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। खुशबू के भारतीय टीम में शामिल होने पर आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा,हैंडबॉल एसोसिएशन आफ बिहार के महासचिव राणा प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव विक्की कुमार, हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान के महासचिव सलमा खातून, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा ,सचिव डॉक्टर शरद चौधरी, रीता सिंहा ,डॉक्टर राम एकबाल प्रसाद गुप्ता ,डॉक्टर सत्य प्रकाश ,डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर रामजी चौधरी, डॉक्टर आरती रानी पांडे, डॉक्टर संगीता चौधरी , डॉ विनय पांडेय, डॉ आर एन ओझा सहित कई अन्य लोगों ने खुशबू को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जमीनी विवाद में मारपीट में आधा दर्जन घायलों में एक सदर रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चालीस आरडी सुंदर गांव में जमीनी विवाद में मारपीट में आधा दर्जन घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां इलाज के बाद एक को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। घायल चालीस आरडी सुंदर गांव निवासी मोहम्मद अजीज का 22 वर्षीय पुत्र सरफराज आलम और मोहम्मद वकील का 45 वर्षीय पुत्र मोहम्मद अजीज और मोहम्मद वकील मियां का दो पुत्र 55 वर्षीय पुत्र हकीम मिया व 42 वर्षीय रोजिद मियां, मोहम्मद रोजिद मिया की 16 वर्षीय पुत्री जन्नत खातून हैं।घायल मोहम्मद अजीज को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। मारपीट का कारण जमीनी विवाद बताया गया। पुलिस जांच में जुटी है।

विशेष विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को कराया गया तारामंडल का भ्रमण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- सशक्तिकरण निदेशालय, बिहार पटना द्वारा संचालित श्री कामेश्वरी प्रिया पूअर होम राजकीय नेत्रहीन उच्च विद्यालय दरभंगा एवं राजकीय मूक बधीर मध्य विद्यालय दरभंगा में नामांकित छात्रों को तारामंडल-सह-ज्ञान एवं विज्ञान संग्रहालय दरभंगा का भ्रमण कराया गया। दरभंगा जिला में संचालित नेत्रहीन विद्यालय एवं मूक-बधीर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को ह्लइङ्ग१स्त्रँ८ ङ्घा वल्ल५ी१ रीह्व एवं ङ्घ३ू छ्री थीम पर आधारित शो के माध्यम से ब्रह्मांड के बारे में जानकारी मिली। बच्चों ने बिग बैंग थ्योरी, ग्रहों, उपग्रहों के साथ साथ डार्क मैटर एवं डार्क एनर्जी के बारे में भी जाना। तारामंडल में भ्रमण करने के बाद बच्चों में ज्ञान और विज्ञान को ले कर एक नई रुचि जगी है।

सभी के सहयोग से मधुबनी जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है ।न्याय के साथ विकास की यात्रा में बढ़ते बिहार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सभी के सहयोग से मधुबनी जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है ।न्याय के साथ विकास की यात्रा में बढ़ते बिहार के साथ कदम से कदम मिलाकर मधुबनी जिला भी चल रहा है ।उक्त बातें जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जिला स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन के उपरांत अपने संबोधन में कही ।उन्होंने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान फेज दो के अंतर्गत जिले के 386 पंचायत में से 367 पंचायत में घर-घर से कचरा का उठाव किया जा रहा है। 240 पंचायत में जैविक खाद्य का निर्माण किया जा रहा है ।प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत इस वर्ष 12344 लोगों को प्रथम किस्त का भुगतान एवं 1300 आवास पूर्ण किया गया है वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत 1260 आवास की स्वीकृति एवं प्रथम किस्त 1004 को पूर्ण किया गया है ।वित्तीय* वर्ष 2024 25 में 3958811 मानव दिवस का सृजन किया गया है जिसमें कुल 108406 परिवार को रोजगार दिया गया है। जल जीवन हरियाली अंतर्गत जिले में हरित आवरण को बढ़ाने, जल संरक्षण आदि को लेकर कई कार्य किया जा रहे हैं। इस वर्ष 1117 सोकपिट का निर्माण किया गया है। इस वर्ष 892000 पौधारोपण किया गया है ।42 चेकडैम का निर्माण किया गया है। 998 नए जल स्त्रोत का कार्य पूर्ण किया गया है। 88 सरकारी भवनों में छत वर्षा जल संचयन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 44 आहार आहार का जीर्णोद्धार किया गया है वहीं 894 पाइन का जीर्णोद्धार किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान के दिनों में जिले के भूजल स्तर को देखते हुए हमें अधिक से अधिक वर्षा जल का संचयन करना होगा ।उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने घरों में छत वर्षा जल संचयन का निर्माण जरूर करे ताकि वर्षा जल का संचयन किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में इस वर्ष अब तक कन्या उत्थान योजना अंतर्गत विभिन्न श्रेणियां में कुल 15904 बच्चों का पंजीकरण किया गया है इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जिसमें प्रथम बार गर्भधारण करने वाली माता को दो किस्तों में ?5000 की राशि दी जाती है ।इस वर्ष कुल 16490 लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन हुआ जिसमें 4850 लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हो चुका है। मधनिषेध विभाग द्वारा शराबबंदी कानून को पूरी सख्ती से लागू किए जाने हेतु लगातार छापेमारी गिरफ्तारी एवं वाहनों की जप्ती आदि कार्रवाई की जा रही है ।इस वर्ष लगभग 45000 लीटर देसी तथा 1000 लीटर विदेशी शराब जप्त किए गए हैं। इस वर्ष 329 दो पहिया 14 तीन पहिया तथा 604 चार पहिया वाहन को भी* जप्त किया गया है। शराब बंदी को सख्ती से लागू करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार एवं अधीक्षक मधनिषेध श्री विजयकांत ठाकुर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया जिससे निश्चय ही जिले का गौरव स्तर पर बढ़ा है। अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित बालिका छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के उपरांत अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय द्वारा प्रति छात्र 15000 की दर से कुल 1637 छात्राओं के मध्य कल 2.37 करोड़ की राशि का वितरण किया जा चुका है। जिला पंचायत विभाग द्वारा इस वर्ष कुल 221 पंचायत सरकार भवन की स्वीकृति प्रदान की गई है जिसमें 156 में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इस वर्ष में जिला के सभी पंचायत के चार वार्ड में कुल 10790 सोलर लाइट लगाया जा चुका है। जिला पंचायती राज विभाग द्वारा 25 छठ घाट का निर्माण, 111 कुओं का जीणोर्धार तथा चापाकल एवं कुओं के नजदीक 90 सोख्ता का निर्माण कराया गया है ।जिले के 334 पंचायत में आरटीपीएस काउंटर प्रारंभ किया जा चुका है। जिला कृषि कार्यालय द्वारा खरीफ 2024 में डीजल अनुदान के अंतर्गत 34342 किसानों के बीच कुल 5.90 करोड़ की राशि का वितरण किया जा चुका है। जिला कृषि कार्यालय द्वारा अब तक लगभग 2263 किसानों के मध्य अनुदानित दर पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत कुल 11.75 लाख कार्ड बनाया जा चुका है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मॉडल अस्पताल का निर्माण कराया जा चुका है। बाल हृदय योजना अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाता है जिसके अंतर्गत अभी तक कुल 41 से बच्चों का हृदय का ऑपरेशन सफलतापूर्वक कराया गया है। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी सात निश्चय योजना अंतर्गत जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र मधुबनी द्वारा बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उच्च शिक्षा ग्रहण करने के इच्छुक लाभुकों के बीच प्रति लाभ 4 लाख की दर से कल 348 करोड रुपए वितरित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना अंतर्गत अब तक कुल 20 हजार से अधिक छात्रों को लाभान्वित किया जा चुका है वहीं कुशल युवा कार्यक्रम अंतर्गत युवाओं को रोजगार हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से संचालित कौशल केंद्र के माध्यम से कुल लगभग 88000 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

छपरा मशरक थावे रेलखंड पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन छपरा जंक्शन से चलेगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा- मशरक थावे रेलखंड पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन अब छपरा जंक्शन से किया जाएगा ।इसकी जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने दी ।इस वर्ष 31 मार्च से पहले छपरा कचहरी एवं छपरा जंक्शन के बीच नॉन इंटरलॉकिंग कर पूरा कर लिया गया था। सीआरएस ट्रायल के बाद सबसे पहले लंबी दूरी की स्पेशल ट्रेनों का परिचालन छपरा जंक्शन से शुरू किया गया था ।दीपावली एवं छठ के अवसर पर चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन नई दिल्ली, अमृतसर सहित अन्य शहरों के लिए किया गया था। सभी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन इस बार छपरा जंक्शन से ही किया गया था। छपरा कचहरी से चलने वाली गोमतीनगर एक्सप्रेस का परिचालन छपरा कचहरी से पिछले सात वर्षों से होता आ रहा है। अब गोमती नगर एक्सप्रेस का परिचालन भी छपरा जंक्शन से किया जा रहा है ।जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि छपरा- मशरक थावे रेलखंड पर चलने वाली चार पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन अमान परिवर्तन के बाद से छपरा कचहरी से होता आ रहा है। अब पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन छपरा जंक्शन से शुरू किया जाएगा। छपरा जंक्शन से पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सहूलियत होगी। पहले छपरा जंक्शन तक लंबी दूरी की ट्रेनों से उतरने के बाद प्रवासी तीन किलोमीटर दूर छपरा कचहरी जाकर अपने घर लौट के लिए पैसेंजर ट्रेन की यात्रा करते थे।

ई किसान भवन नावकोठी एवं पहसारा पैक्स पर रबी किसान चौपाल का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/प्रखण्ड कार्यालय स्थित ई -किसान भवन नावकोठी में रबी किसान चौपाल का आयोजन सोमवार को किया गया। इसकी अध्यक्षता मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने की। वहीं पहसारा पश्चिम पैक्स पर मुखिया प्रति निधि रामनाथ उर्फ बुडुल सिंह की अध्यक्षता में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए बीएओ ओम प्रकाश यादव ने पंचायत को उपलब्ध कराए गए बीज की विस्तृत जानकारी दी ।तकनीकी प्रबंधक विवेकानंद सिंह ने आत्मा के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पंक्ति में गेहूं बुवाई से होने वाले लाभ एवं उर्बरक का संतुलित उपयोग पर विशेष बल दिया ।वहीं आत्मा द्वारा चलाए जा रहे वर्मी कंपोस्ट के व्यवसायिक उत्पादन एवं प्रशिक्षण हेतु निबंधन कराने के बारे में बताया गया ।वहीं प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया ।वहीं उद्यान प्राधिकारी राजाराम कुमार के द्वारा उद्यान के बारे में जानकारी दी गई ।कृषि समन्वयक प्रिंस कुमार के द्वारा बीज प्राप्त करने के लिए आनलाइन करने की बात बताई गई। किसानों को कम से कम दानेदार खाद का प्रयोग जरा से ज्यादा स्प्रे नैनो का छिड़काव पौधों पर करने का सलाह दिया ।मौके पर कृषि सलाहकार श्रवण कुमार,प्रेमचंद गुप्ता, विश्वनाथ सिंह,मनोज पाठक,पंसस अनीता देवी,कृषि समन्वयक सुरेंद्र कुमार,बबलू कुमार, राम बदन सिंह, चितरंजन सिंह,भोला सहित अन्य कृषक उपस्थित थे।

गंगा नदीतंत्र नदी पुर्नस्थापन (रिवर रैंचिंग कार्यकम) का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- गंगा नदी तंत्र में नदी पुर्नस्थापन (रिवर रैचिंग) कार्यक्रम के तहत दरभंगा जिले के बेनीपुर अंचल स्थित कमला नदी के त्रिमुहानी घाट में 3.50 लाख अंगुलिका का संचयन कर शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम जन शामिल हुए ,जिसमें श्री शंभू नाथ झा अनुमण्डल पदाधिकारी, बेनीपुर, दरभंगा, उप मत्स्य निदेशक (रा०प०ई०), मत्स्य निदेशालय, बिहार, पटना, उप मत्स्य निदेशक, दरभंगा परिक्षेत्र, दरभंगा एवं श्री अनुपम कुमार जिला मत्स्य पदाधिकारी, दरभंगा के द्वारा इस योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि बढ़ते बाहरीकरण, प्रदूषण एवं मानव जनित क्रियाकलापों के कारण नदियों में जल जीवों की संख्या, प्रजनक मछलियों एवं प्रजनन स्थल नष्ट हो जाने से मछलियों की संख्या लगातार घट रही है। नदियों में सामान्यतः

पाई जाने वाले मछलियों की घटती संख्या से जलीय पारिस्थिकी तंत्र एवं जैव विविधता पर प्रतिकूल असर हुआ है,जिससे मानव समुदाय पर भी प्रभावित हो रहा है। प्राकृतिक जल संपदा को बचाने मत्स्यजीवी को जीविका का अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराने तथा विलुप्त हो रहे एवं संकटग्रस्त मछलियों की प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु नदी पुर्नस्थापन जैसे महत्ती उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार के द्वारा अपने संसाधन से प्रमुख नदियों में रिवर रैचिंग करने की योजना संचालित की जा रही है। रिवर रैचिंग अर्थात नदी पुर्नस्थापन कार्यक्रम के तहत राज्य के गंगा नदी एवं प्रमुख सदाबहार सहायक नदियों यथा करेह, कमला, बुढी गंडक, कोशी, बागमती आदि में वहाँ के मूल कार्प प्रजाति की ब्रुडर से विभिन्न हैचरियों के द्वारा स्पॉनिंग कराकर तैयार की गयी अंगुलिकाओं की संचयन किया जाना है। यह एक दीर्घकालीन कार्यक्रम है जिसके तहत 8-10 साल तक रिवर रैचिंग कार्यक्रम के पश्चात इसका असर मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता पर दिखाई पड़ेगा। इस योजना के क्रियान्वयन से नदियों की उत्पादकता में अभिवृद्धि होगी, जिससे मत्स्य प्रग्रहण पर निर्भर मत्स्यजीवी समुदाय को आजीविका हेतु अतिरिक्त साधन उपलब्ध होगी। साथ ही नदी जल की गुणवत्ता में अभिवृद्धि होगी तथा प्रदूषण को भी कम किया जा सकेगा। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 2024-25 में दरभंगा जिला के करेह नदी एवं कमला नदी में अंगुलिका संचयन हेतु चिन्हित किया गया है, जिसमें प्रत्येक नदी हेतु कमशः 3.80 लाख एवं 3.80 लाख अंगुलिका संचयन हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त के आलोक में 3.50 लाख अंगुलिका का संचयन किया गया है, जिसमें अनुमण्डल पदाधिकारी, बेनीपुर, दरभंगा, उप मत्स्य निदेशक (रा०प०ई०), मत्स्य निदेशालय, बिहार, पटना, उप मत्स्य निदेशक, दरभंगा परिक्षेत्र, दरभंगा, जिला मत्स्य पदाधिकारी, दरभंगा, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी एवं कार्यालय के अन्य पदा० एवं कर्मी उपस्थित हुए।

असामाजिक तत्वों ने खरहुल और बासवाडी में लगाई भीषण आग

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चांद बड़वा गांव में खड़वानी और बासवाड़ी मे असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। मौके पर कई घर चपेट में आ जाते मगर ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड के काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया । जिसमें खरहुल के कई बोझे भी जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि आग के विकराल रूप को देख सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने पर बगल में कई घर चपेट में आ जाता मगर घर में रखे सामानों को लेकर अफरा तफरी का माहौल बन गया था। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तों बड़ी घटना घट सकती थी।

घर-घर महाभारत काल जैसी स्थिति है - बीके कंचन दीदी श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय सत्र में सुख और शांति पर चर्चा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

बखरी (बेगूसराय) ' समाज में शांति और प्रेम का संदेश देने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवद्गीता के सत्यसार पर कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भागवताचार्य राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कंचन दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज घर-घर में महाभारत जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो चुकी हैं। समाज में कौरव और पांडव जैसे पात्र स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो आत्मा ज्ञानी और योगी बनकर अर्जुन के मार्ग पर चल रही है, वही पांडव है, और उनकी जीत निश्चित है। वहीं, जो आत्माएं देहाभिमान के साथ जीवन जी रही हैं और आत्मा तथा परमात्मा को भूलकर माया के प्रभाव में दुख भोग रही हैं, वही कौरव समान हैं। बीके कंचन दीदी ने कहा कि हमें पांडव बनकर परमात्मा को अपना साथी बनाना चाहिए और माया पर विजय प्राप्त करनी चाहिए, ताकि हम अपने जीवन में सुख और शांति का अनुभव कर सकें और जन्म-जन्मांतर का भाग्य बदल सकें। उन्होंने यह भी कहा, "दुनिया साथ छोड़ देगी, लेकिन परमात्मा कभी साथ नहींछोड़ेंगे।"कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत में आरती का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से अलख कुमार सिन्हा (मुख्य प्रबंधक, उद्योग विभाग, पटना), अरुण कुमार (समाजसेवी), मीरा देवी, सोमेश आचार्य (सरस्वती शिशु मंदिर), माउंट आबू राजस्थान से बीके शंभू, बीके दयानंद, बीके नवीन, तथा स्थानीय सेवा केंद्र से बीके नंदकिशोर, बीके दिनेश, बीके नरेश, बीके गणेश और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसडीओ ने की विभिन्न विभागों की प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ प्रखंड कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला पदाधिकारी बेगूसराय केंद्र दिशा अनुसार समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी बखरी सौरभ कुमार सन्नी ने की ।इस दौरान प्रखण्ड के अंचल, बाल परियोजना, चिकित्सा, पंचायत राज, शिक्षा, पशुपालन, कृषि, सहकारिता, आपूर्ति, सांख्यिकी, जीविका, विद्युत, मनरेगा, आवास योजना, पीएचइडी विभाग, उद्यान, श्रम प्रवर्तन एवं विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षा बैठक की गई ।विदित हो की 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दौरा बेगूसराय जिला में होने वाला है ।इसी परिपेक्ष में नावकोठी प्रखंड के सभी विभागों से समीक्षा रिपोर्ट लेकर जिलाधिकारी बेगूसराय को प्रेषित किया जाना है ।इस दौरान बीडीओ चिरंजीव पांडेय, सी ओ सूरज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, कृषि पदाधिकारी ओम प्रकाश यादव, सांख्यिकी पदाधिकारी मनोज कुमार चौरसिया, जीविका से मनोरंजन कुमार, पशुपालन पदाधिकारी विष्णु देव पोद्दार, बीसीओ अनिल चौधरी, सीडीपीओ मोनिका रानी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी मेघा वर्मा, बीएचएम आनंद ईश्वर, कनिय विद्युत अभियंता नीरज कुमार आदि मौजूद थे।

मंत्री स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग ने मधुबनी जिला अंतर्गत 25.49 करोड़ की लागत से मॉडल सदर अस्पताल की सेवा का शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मंत्री स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग ने मधुबनी जिला अंतर्गत 25.49 करोड़ की लागत से मॉडल सदर अस्पताल की सेवा का शुभारंभ, 2.05 करोड़ की लागत से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैलांचा एवं हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर मधुबनी टोल का उद्घाटन तथा 9.42 करोड़ की लागत से 22 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का किया शिलान्यास। ? *संस्कृत उच्च विद्यालय मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम में मंगल पांडे माननीय मंत्री स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग बिहार सरकार द्वारा मधुबनी जिला अंतर्गत 25.49 करोड़ की लागत से मॉडल सदर अस्पताल की सेवा का शुभारंभ, 2.05 करोड़ की लागत से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैलांचा एवं हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर मधुबनी टोल का उद्घाटन तथा 9.42 करोड़ की लागत से 22 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का शिलान्यास किया गया। मधेपुर के द्वालख, टंगराहा, बकुआ ,घोघरडीहा के देवनाथ पट्टी, परसा, लौकी के ठाड़ी, मनसापुर, औराहा, नरहिया, खुटौना के बीरपुर भजनहा बेनीपट्टे के पाली, ब्रह्मपुरा, करही, बिशनपुर, बासोपट्टी के भैयापट्टी ,भलुआही, घोरबांकी, बाबूबरही के सतधारा, कलुआही के हरिपुर डीह टोल , लदनिया के महुलिया एवं योगिया में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

हसनपुर में डब्ल्यूपीयू का हुआ उदघाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के हसनपुर प्रखंड के हसनपुर पंचायत में सोमवार को नव निर्मित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई (डब्ल्यूपीयू) का उदघाटन मुखिया गीता देवी व पीटीए शांति भूषण इंदु ने संयुक्त रूप से किया। साथ ही सभी वार्डों के लिए पैडल रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि लाखों रूपए की लागत से इस डब्ल्यूपीयू का निर्माण किया गया है। पैडल रिक्शा के माध्यम से प्रत्येक घरों से कचरा का उठाव किया जाएगा। उसके बाद उसे ई-रिक्शा के माध्यम से डब्ल्यूपीयू पर लाया जाएगा व गीला तथा ठोस कचरा को अलग - अलग संग्रह कर जैविक खाद बनाया जाएगा। जैविक खाद की बिक्री भी की जाएगी। बताया कि पंचायत के सभी वार्डों में स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के लिए 13 पैडल रिक्शा उपलब्ध कराकर 17 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।मौके पर रंजीत किशोर, राम प्रवेश, अरविन्द पोद्दार, बलराम पासवान, श्रीकांत कुमार, सुरेन्द्र पासवान आदि मौजूद थे।

जहानाबाद काको प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष का निधन, प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

जहानाबाद काको प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष के निधन पर डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. सोमवार, 2 दिसंबर, 2024जहानाबाद जिला के काको प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रामचन्द्र साव सोनी का वंदे भारत ट्रेन के चपेट में आ जाने के कारण असामयिक मृत्यु हो गई जिसपर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया ।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने काको प्रखंड अध्यक्ष रामचंद्र साव सोनी की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक जाहिर करते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में कांग्रेस परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के मजबूती के लिए लगातार काम किया है और उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर उनके दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें

नावकोठी में हमारा शौचालय हमारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

आयोजन
जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अयोध्या प्रसाद सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नावकोठी में विश्व शौचालय दिवस मनाया गया ।हमारा शौचालय हमारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने की। इसमें विद्यालय के बच्चे, शिक्षक, जनप्रतिनिधि आदि ने भाग लिया। यह अभियान 19 नवंबर से चालू की गई है जो 10 दिसंबर तक चलेगा। अनुमंडल पदाधिकारी बखरी सन्नी कुमार सौरभ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता के लिए शौचालय अति आवश्यक है ।प्रत्येक घर में शौचालय होना चाहिए ।कोई भी व्यक्ति बाहर शौच के लिए नहीं जाएं ।शौचालय हमारी इज्जत भी है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मस्तिष्क का उपज है पहले शौचालय तब देवालय। स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता आवश्यक है ।वहीं बच्चियों ने रंगोली बनाकर शपथ लिया की शौच के लिए शौचालय ही जाएंगे। बाहर सो के लिए न जाएंगे ना किसी को जाने देंगे। प्रत्येक घर में शौचालय बनवाएंगे। इस अवसर पर विद्यालय में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया ।जिला स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विद्यालय के टीम के छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।श्री कृष्ण गौशाला मेला बखरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में इस विद्यालय के बच्चों ने परचम लहराया था उसे भी सम्मानित किया गया ।वहीं पंचायत की ओर से आगत अतिथियों का चादर और माला से सम्मानित किया गया। मौके पर बीडीओ चिरंजीव पांडेय, सीओ सूरज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, प्राचार्य गणेश झा, सीडीपीओ मोनिका रानी, शिक्षक अरुण मालाकार ।कुमार न्यूटन, स्वच्छता पर्यवेक्षक कन्हैया कुमार आदि उपस्थित थे।

गाली - गलौज एवं मारपीट का मामला दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाताथाना क्षेत्र अन्तर्गत मारपीट का मामला प्रकाश में आया है ।नरेश महतो पिता स्वर्गीय फौदी महतो ग्राम देवपुरा निवासी ने विदेन कुमार भोला कुमार, अभिषेक कुमार, चंदन कुमार सभी पिता रघुनन्दन सहनी, धर्मेंद्र सहनी, बलराम सहनी, सुशील सहनी तीनों पिता चंद्रशेखर सहनी, महेश सहनी पिता सत्तो सहनी, कपिल सहनी पिता स्व० सिया लाल सहनी, रितु कुमारी पिता रघुनंदन सहनी, सविता कुमारी पिता रघुनंदन सहनी सभी ग्राम देवपुरा निवासी पर घेर कर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडा और रोड से मारपीट कर घायल करने का मामला दर्ज करवाया ।दर्ज मामला में बताया कि मेरी लड़की को बाल पकड़ कर घसीट दिया जिस क्रम में उसका हाथ टूट गया ।वहीं घायल अवस्था में लड़की से ?25 हजार कीमत के सोने की बाली छिनने का आरोप लगाया ।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। तहकीकात के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

चिराग पासवान ने स्नातक सीट पर उम्मीदवार के रूप में अभिषेक झा के समर्थन में अपने दल और एनडीए के तमाम समर्थकों को वोट देने की अपील की

हुसैनगंजा संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आज 1 विलर रोड बिहार प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एनडीए समर्थित विधान परिषद तिरहुत स्नातक सीट पर उम्मीदवार के रूप में अभिषेक झा के समर्थन में अपने दल और एनडीए के तमाम समर्थकों को वोट देने की अपील की। श्री चिराग ने कहा कि जिस तरीके से विधान परिषद के लिए चुनाव प्रचार चल रहा है और एनडीए ने अभिषेक झा जी को अपना उम्मीदवार बनाया है जो हमारे छोटे भाई भी हैं और जो पूरे प्रदेश के विकास की सोच रखते हैं लगातार अपने पार्टी और गठबंधन की तरफ से पूरी ईमानदारी के साथ यह गठबंधन की बात रखते देखे जाते रहे हैं। आज मैं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते हालांकि इसकी जरूरत कोई नहीं है बावजूद औपचारिकता के तहत हम प्रेस वार्ता के माध्यम से अपील करते हैं कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के एक-एक नेता एक-एक कार्यकर्ता के तरफ से इन्हें मजबूत समर्थन और सहयोग मिलेगा हमारे पार्टी के एक-एक नेता एक-एक कार्यकर्ता न सिर्फ प्रचार बल्कि इनकी जीत सुनिश्चित करने में पहले से लगे हुए हैं इस बात का उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि भारी अंतर से और भारी मतों से यह चुनाव जीतने का काम अभिषेक झा जी करेंगे। क्योंकि एनडीए के प्रति जनता का विश्वास बढा है बड़े-बड़े दावे और बड़े-बड़े वादे अलग-अलग समय पर विपक्ष के तरफ से किए जाते रहे हैं लोकसभा के वक्त भी बड़ी-बड़ी बातें की गई थी विपक्ष के द्वारा, लेकिन क्या हो गया? हमारे गठबंधन का न सिर्फ लोकसभा के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन रहा बल्कि चार सीटों पर उपचुनाव में भी विजय हासिल हुई है। इस गणित को समझना होगा कि विपक्ष के पास इनमें से तीन सीटे थी। हमारे पार्टी के हर एक नेता हर कार्यकर्ता मजबूती से मेरे छोटे भाई अभिषेक झा जी को समर्थन जाता है। और इस बात का उम्मीद ही नहीं विश्वास है कि यह चुनाव जीतने का काम करेंगे जिस तरीके से आज की तारीख में एनडीए गठबंधन के प्रति जनता का विश्वास बढा है बड़े-बड़े इन उप चुनाव का गणित हम लोग को समझना जरूरी है और जो चुनाव के गणित को समझ जाएगा । विपक्ष की सीट होते हुए भी एनडीए गठबंधन चारों के चारों सीट जीतने का काम किया है यह अपने आप में 2025 का भी समीकरण बताता है कि आगे क्या होने वाला है। यह कोई सामान्य स्थिति नहीं है और किन सीटों पर उपचुनाव लड़े गए थे। विपक्ष सिर्फ अफवाह उड़ाना और डराने का काम करते रही है। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास इस बात का हमेशा पक्षधर रही है जिस गठबंधन का हमलोग हिस्सा रहे है मेरे पिता आदरणीय रामविलास पासवान जी से पार्टी का हर एक नेता कार्यकर्ता ने सीखा है कि हमारी पार्टी ने हमेशा एक सीमेंटेड फोर्स का काम किया है ।

कुंडल टू से शौकत अली ने मारी बाजी, क्षेत्र में हर्ष का माहौल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के सिंघिया प्रखंड में हुए चौथे चरण के मतदान के बाद रविवार को मतगणना हुआ। जिस उम्मीदवार ने विजयी हासिल की उनमें सिंघिया 2 से अतुल कुमार सिंह उर्फ दिलीप सिंह ने भारी मतों से जीत दर्ज किए उनको कुल 629 मत मिला वही उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सुधीर सिंह को 184 मत मिले, सिंघिया 3 से कला देवी, हरदिया से रणजीत साहू, डीहा से परशुराम सहनी, कुण्डल 01 पंचायत से जगजीत सिंह पैक्स अध्यक्ष पद पर चुनाव जीते, सालेपुर पंचायत से पैक्स अध्यक्ष पद पर राजेश यादव अपना कुर्सी बचाने में कामयाब रहे वही विष्णुपुर क्योटहर से प्रदीप साहू, लिलहौल से मो0 अनवारूल, कुंडल 2 से मो शौकत अली ने पहली दफा पैक्स अध्यक्ष पद पर कामयाब हुए, वारी से गौतम झा, बंगरहट्टा से अनुज सिंह चुनाव जीते, सिंघिया 1 पंचायत से पैक्स अध्यक्ष पद पर आलोक सिंह, फुलहरा से विजय झा, महरा से मो सज्जाद ने जीत दर्ज की। इधर सिंघिया प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी विवेक रंजन ने जीते हुए उम्मीदवारों को जीत का प्रमाण पत्र दिया तथा सभी अध्यक्षों को बधाई दी।

पैक्स चुनाव के नतीजे आए सामने, देखा गया कही खुशी कहीं गम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद, मो जुबैर

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के 24 पैक्स का चुनाव परिणाम सोमवार को शाम में मतगणना केंद्र डॉक्टर शालिग्राम इंटर महाविद्यालय ध्रुवगामा में प्रखंड निर्वाचित पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने देर शाम तक घोषित किया। घोषित परिणामों में 24 में से 19 पैक्स अध्यक्ष अपने पद पर विराजमान रहे पांच नये चेहरे को ताज मिला। पुराने में से मालीनगर में प्रियंका कुमारी, मधुरापुर टारा में दीनदयाल झा, बेलसंडी रामकिशोर साह, लदौरा से केसरी कुमार मेहता, भागीरथपुर से भोला राय, मुक्तापुर से मनोज राय, वासुदेवपुर संजय कुमार, सिमरिया भिंडी शोभा

देवी, बरहेता से देवन मंडल, इसी तरह अजना से हिमांशु शेखर, गोविंदपुर खजूरी रामबली महतो, कल्याणपुर से रजनीश राय खरसंड पश्चिमी सुनील राय, गोराई से सर्वेश कुमार, रतवारा से एयाज अहमद, जितवरिया से बालकृष्ण झा आदि को मतदाताओं ने पुनः ताज पहनाया। वहीं नये चेहरों में खरसंड पूर्वी गीता देवी, गोपालपुर शंकर दयाल ठाकुर, रामभद्रपुर से नंदकिशोर साह, कलौजर से पंकज ठाकुर, बिरसिंहपुर से राकेश कुमार पैक्स चुनाव में अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किए गये। मतदान केंद्र पर सक्रिय प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष कुमार चौरसिया, बृजराज सिंह, प्रभात कुमार ठाकुर, राजू कुमार, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएसपी टू विजय महतो, थाना प्रभारी राकेश शर्मा, अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा, कपूर्री ग्राम थाना की दीपा कुमारी आदि सक्रिय देखी गई। इधर शांति पूर्वक मतदान को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने सभी अधिकारियों को बधाई दी है।

तिरहुत स्नातक उप चुनाव की तैयारी पूरी. डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: तिरहुत स्नातक उप निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष आयोजन के मद्देनजर सभी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में आज विमर्श कक्ष में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी भी उपस्थित थे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। जिलाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को संपन्न कराना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में कोषांगवार समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गए।निर्देश दिया गया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन के मद्देनजर सभी कोषांग आपसी समन्वय के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें।वहीं उप निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर विपिन कुमार ने बताया कि 5 दिसंबर को 8:00 बजे पूर्वाह्न से 4:00 बजे अपराह्न तक मतदान होगा जबकि 9 दिसंबर को मतगणना होगी। 12 दिसंबर के पूर्व निर्वाचन संपन्न कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 6/11/24 को अंतिम प्रकाशन के अनुसार कुल निर्वाचकों की संख्या 43000 है जबकि मूल मतदान केंद्र की संख्या 22 है ,सहायक मतदान केंद्र की संख्या 32 है।इस तरह कुल मतदान केंद्र की संख्या 54 है। हेल्पलाइन संख्या 1950 पर कार्यरत है।बैठक में प्रशिक्षण ,मतदान सामग्री,मतपेटिका की तैयारी,मत पत्र मुद्रण, मत पत्र का रख रखाव, पेपर सील,वाहन की उपलब्धता,नियंत्रण कक्ष, हेल्पलाइन, कम्युनिकेशन प्लान,पुलिस बल की आवश्यकता,दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की प्रति नियुक्ति इत्यादि से संबंधित समीक्षा की गई।

सिवान के सरकारी विद्यालयों में आज से विधिवत 9:30 से 4 बजे तक शुरू हुआ पठन पाठक।

संवाददाता
मोहम्मद आरीफ

सिवान 2 दिसम्बर सोमवार। पत्रांक 2444, 21नवंबर 24 के आदेश से राज्य के सभी सरकारी प्राथमिक, मध्य, मध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पठन पाठक का समय मे आंशिक बदलाव करते हुए दिनांक 1 दिसंबर 24 से समय 9:30 से 4 बजे तक आदेश निर्गत किया गया है। जो 1 दिसम्बर रविवार होने के वजह से प्रभावी नहीं हो सका जो आज 2 दिसम्बर 24 सोमवार से जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में प्रभावी हो गया। प्रातः 9:30 बजे से प्रार्थना शुरू होने के साथ पहली शिफ्ट की पढ़ाई 12 बजे तक होगी और 12 बजे से 12:40 बजे तक मध्यान भोजन होगा या मध्यान भोजन का समय प्रधानाध्यापक अपने सुविधा अनुसार निर्धारित करेंगे फिर दूसरी शिफ्ट की पढ़ाई होगी जो शाम 4 बजे तक संचालित की जाएगी और इसी अवधि में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को बारी बारी से 1घंटी में खेल, संगीत, नृत्य, पेंटिंग का समय निर्धारित करना है जिसे शिक्षक,प्रधानाध्यापक घंटी निर्धारित करना सुनिश्चित करेंगे और 4 बजे विद्यालय का पठन पाठक खत्म कर छुट्टी करेंगे

मतगणना के परिणाम काफी चाक चौबंद व्यवस्था के बीच घोषित कर दिया गया

मो. सदरे आलम नोमानी

केवटी(दरभंगा):- प्रखंड में संपन्न हुई पैक्स चुनाव का सोमवार को मतगणना के परिणाम काफी चाक चौबंद व्यवस्था के बीच घोषित कर दिया गया। साथ ही मतदान से और निर्विरोध चुने गए सभी अध्यक्ष व सदस्यों को विजय होने का प्रमाण पत्र बीडीओ सह आरओ रुखसार के हाथों उपलब्ध करवाया गया।चुनाव कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बरही पैक्स से अध्यक्ष पद के लिए रामदास यादव को पराजित कर रंजीत कुमार सुमन ने जीत हासिल की, लालगंज पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए धर्मेंद्र कुमार चौरसिया निर्विरोध निर्वाचित किये गए। केवटी पैक्स से कृष्ण कुमार झा को पराजित कर उपेन्द्र निषाद ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल किया।शेखपुरदानी पैक्स से अध्यक्ष पद के लिए राममूर्ति यादव चुने गए यहाँ शशिभूषण यादव दूसरे नम्बर पर रहे। पिंडारुच पैक्स से शिवशंकर झा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किये गए यहाँ विजेन्द्रनाथ झ

नाट्य प्रशिक्षण संस्थान समस्तीपुर के कलाकारों ने पुरे बिहार में पाया तृतीया स्थान.

मो.सदरे आलम नोमानी

समस्तीपुर: राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2024 में समस्तीपुर ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। नाट्य प्रशिक्षण संस्थान, समस्तीपुर के कलाकारों ने न केवल जिले का नाम रोशन किया बल्कि पूरे बिहार के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। इस महोत्सव में हबूढ़ा पीपलह नाटक ने अपनी छाप छोड़ते हुए तृतीय स्थान हासिल किया।
समस्तीपुर की टीम, संगीत कुमार और किरण जी के मार्गदर्शन में, लखीसराय में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में शामिल हुई। नाटक हबूढ़ा पीपलह के निर्देशन की कमान मणिभूषण कुमार ने संभाली। इसमें 13 कलाकारों– बॉबी कुमार, राजीव रंजन कुमार, रवि कुमार, अजीत कुमार, चंदन कुमार, अनीश कुमार, राकेश कुमार, सचिन कुमार, मणिभूषण कुमार, प्रियांशु कुमार, स्वीटी कुमारी, और कुमारी मधु प्रिय– ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया।इन युवाओं की मेहनत और समर्पण का श्रेय उनके गुरु विनय सिन्हा जी को भी जाता है, जिन्होंने इन कलाकारों को प्रशिक्षण दिया और प्रेरित किया। इस महोत्सव में समस्तीपुर की बेटी अवनी ने भी लोकगीत प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी मीठी आवाज और प्रस्तुति ने समस्तीपुर का नाम गर्व से ऊँचा किया।

ताजपुर थाना क्षेत्र के चकपहाड़ गांव में पागल कुत्ते का आतंक महिला समेत पांच हुआ जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र के चकपहाड़ गांव में सोमवार को एक पागल कुत्ते का आतंक देखने को मिला। इस घटना में पांच ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें दो महिलाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यह घटना स्थानीय लोगों में भय और चिंता का कारण बन गई हैसोमवार को चकपहाड़ गांव के वार्ड नंबर 8 में कुछ लोग अपने घर के बाहर बैठे थे। दिन के लगभग साढ़े 11 बजे अचानक एक काला-उजले रंग का कुत्ता वहां पहुंचा और एक के बाद एक सभी पर हमला कर दिया। घायलों में अमीर महतो की पत्नी रेखा देवी, संतलाल राय की पत्नी नुनु देवी, भोला राय, कमलेश राय की पोती और एक अन्य ग्रामीण शामिल हैं।ग्रामीणों के अनुसार, यह कुत्ता पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुका है। खास बात यह है कि यह कुत्ता आमतौर पर लोगों के चेहरे को निशाना बनाता है। इस हमले में रेखा देवी और नुनु देवी के चेहरे को बुरी तरह से नोच लिया गया, जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो गई। दोनों महिलाओं को समस्तीपुर सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डीएमसीएच, दरभंगा रेफर कर दिया गया।

समस्तीपुर में कोचिंग पढ़ने गई छात्रा हुई लापता.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र से एक 18 वर्षीय छात्रा के लापता होने की घटना ने परिवार और स्थानीय निवासियों को चिंतित कर दिया है। छात्रा 18 नवंबर की सुबह कोचिंग के लिए घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है, और परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है।
कल्याणपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 18 वर्षीय छात्रा कोचिंग के लिए सुबह घर से निकली थी। परिजनों के अनुसार, वह शाम तक घर वापस नहीं लौटी, जिसके बाद उन्होंने उसे हर संभावित जगह पर खोजने का प्रयास किया। लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने पुलिस में आवेदन देकर अपनी बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।परिजनों ने आवेदन में सिमरिया भिंडी गांव के एक युवक पर आरोप लगाया है कि उसने उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। यह आरोप परिजनों के संदेह के आधार पर लगाया गया है, लेकिन पुलिस ने अभी तक इस मामले में किसी ठोस कार्रवाई की पुष्टि नहीं की है।थाना प्रभारी ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि छात्रा का पता लगाया जा सके और स्थिति स्पष्ट हो सके।

IPS के लिए छोड़ी थी बिहार सरकार की नौकरी; लेकिन ज्वाइनिंग से पहले आईपीएस हर्षवर्धन की चली गई जान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के सहरसा जिले से तालुल्क रखने वाले आईपीएस हर्षवर्धन की सड़क हादसे में मौत हो गई। हर्षवर्धन कर्नाटक के हासन जिले में अपनी पहली पोस्टिंग पर ज्वाइनिंग के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कार का टायर फटने से हादसा हो गया। जिसमें 26 साल के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन सिंह की मौत गई। सहरसा के सोनवर्षा राज थानाक्षेत्र के फतेहपुर पडरिया गांव निवासी 2023 बैच के युवा आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन की सड़क दुर्घटना में मौत से पूरे इलाके में मातम पसर गया। कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन अपनी प्रशिक्षण पूरी करने के बाद पहली पोस्टिंग पर योगदान देने के लिए जा रहे थे।
इसी दौरान रविवार देर शाम सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई।हादसा कर्नाटक के हिसाल में हुआ। हर्षवर्धन मैसूर में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कर्नाटक के हिसाल में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर योगदान देने के लिए हीं जा रहे थे। लेकिन 10 किलोमीटर पहले ही कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित हो गया और हादसे में आईपीएस की मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही न सिर्फ गांव में रहने वाले परिजनों बल्कि पूरे इलाके के लोग गमगीन हैं। लोगों ने कहा कि अगर दस किलोमीटर का सफर पूरा हो जाता तो शायद आज हर्षवर्धन जिंदा होता और देश की सेवा करता। आईपीएस बनने से पहले हर्षवर्धन ने दो सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था और यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दिया था।
बिहार के सहरसा जिले से तालुल्क रखने वाले आईपीएस हर्षवर्धन की सड़क हादसे में मौत हो गई। हर्षवर्धन कर्नाटक के हासन जिले में अपनी पहली पोस्टिंग पर ज्वाइनिंग के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कार का टायर फटने से हादसा हो गया। जिसमें 26 साल के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन सिंह की मौत गई। सहरसा के सोनवर्षा राज थानाक्षेत्र के फतेहपुर पडरिया गांव निवासी 2023 बैच के युवा आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन की सड़क दुर्घटना में मौत से पूरे इलाके में मातम पसर गया। कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन अपनी प्रशिक्षण पूरी करने के बाद पहली पोस्टिंग पर योगदान देने के लिए जा रहे थे।
इसी दौरान रविवार देर शाम सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई।हादसा कर्नाटक के हिसाल में हुआ। हर्षवर्धन मैसूर में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कर्नाटक के हिसाल में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर योगदान देने के लिए हीं जा रहे थे। लेकिन 10 किलोमीटर पहले ही कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित हो गया और हादसे में आईपीएस की मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही न सिर्फ गांव में रहने वाले परिजनों बल्कि पूरे इलाके के लोग गमगीन हैं। लोगों ने कहा कि अगर दस किलोमीटर का सफर पूरा हो जाता तो शायद आज हर्षवर्धन जिंदा होता और देश की सेवा करता। आईपीएस बनने से पहले हर्षवर्धन ने दो सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था और यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दिया था।
मृतक आईपीएस के चाचा कमलेश ने बताया कि हर्षवर्धन के पिता अखिलेश सिंह मध्य प्रदेश में एसडीएम हैं। जबकि छोटा भाई आनंद वर्धन आईआईटी इंजीनियर है, और वो भी यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि हर्षवर्धन ने इंदौर एनआईटी से बीटेक किया था। हर्षवर्धन की पूरी पढ़ाई मध्यप्रदेश में ही हुई थी। प्रशासनिक अधिकारी रहने के कारण पूरा परिवार मध्यप्रदेश में ही हुआ था। दोनों भाईयों का जन्म भी मध्यप्रदेश में ही हुआ था। हर्षवर्धन का छोटा भाई आनंद आईआईटी दिल्ली से की पढ़ाई पूरी कर यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। चाचा ने बताया कि हर्षवर्धन करीब दो महीने पंचायती राज पदाधिकारी के रूप में पूर्णिया जिले के बायसा में प्रशिक्षण ले रहा था। इसी दौरान यूपीएससी का रिजल्ट आया था। इंटरव्यू में सफल होने के बाद उसने बिहार सरकार की नौकरी छोड़ दी थी।

नालंदा में जमीन विवाद में बुजुर्ग को गोली से उड़ाया, फायरिंग करते हुए भागे बदमाश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नालंदा जिले में जमीन विवाद में बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई।मृतक धरहरा गांव निवासी सरयुग पासवान का 60 वर्षीय पुत्र इंदल पासवान है। मृतक के पुत्र रंजीत पासवान ने बताया कि सोमवार की शाम वो अपने पिता के साथ बिहारशरीफ से दवा लेकर गांव धरहरा लौट रहे थे। इसी बीच पहले से घात लगाए दो बदमाशों ने पुल के पास घेर लिया और पिता को गोली मार दी। शोर मचाने पर दोनों बदमाश वहां से फायरिंग करते हुए फरार हो गया।बेटे ने बताया कि गोली लगते उसके पिता बुरी तरह घायल हो गए। जिसके बाद उन्हें स्थानीय लोगों की मदद के बाद सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र रंजीत ने बताया कि तीन दिन पहले गांव में जमीन विवाद को लेकर गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट की गई थी। इसके बाद इसकी शिकायत अस्थावां थाने में की गई थी।इसी बात की खुन्नस में दूसरे पक्ष लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। हालांकि अभी तक आरोपियों का सुराग नहीं चल सका है। लेकिन पुलिस का दावा है कि जल्द हत्याकांड का खुलासा करेंगे, और आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

छपरा में तेज रफ्तार कार गहरी खाई में गिरी; 2 लोगों की मौत, सोनपुर मेले से लौट रहे थे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सोनपुर मेला देखकर समस्तीपुर लौट रहे लोगों की कार सोमवार की सुबह अनियंत्रित होकर छपरा के शीतलपुर-परसा पथ पर मानचितवा के पास गहरी खाई में गिर गई। इससे कार सवार युवती सहित दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में महाराष्ट्र के पनवेल थाने के असली खुर्द गांव के अकिल अहमद की 23 वषीर्या पुत्री फिजा बानो व समस्तीपुर जिले के कपूर्री थाना क्षेत्र के रूपनारायणपुर के रामबाबू राम का 21 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार राम शामिल हैं। घायलों में समस्तीपुर बेला के साधु राम का 29 वर्षीय पुत्र मिथुन कुमार व 25 वर्षीय चिटू कुमार व उसी गांव के विनोद कुमार राम का 20 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार हैं सभी आपस में दोस्त बताए जाते हैं। घायलों का इलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद को किसी राहगीर ने हादसे की सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची ।

सीएम ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

जनता दरबार में बोले-किसी के साथ नहीं होगा अन्याय, सभी की मिलेगी मदद

गोरखपुर। प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम के जरिए आमजन की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और हर पीड़ित को न्याय मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने खुद कुर्सियों पर बैठे करीब 300 लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। हर प्रार्थना पत्र को संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और संतोषजनक

निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और उनकी हर समस्या का हल निकालने के लिए तत्पर है। जमीन से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि यदि विवाद पारिवारिक हो, तो दोनों पक्षों के बीच बातचीत कर समाधान निकाला जाए। यदि ऐसा संभव न हो, तो कानूनी कार्रवाई की जाए। अवैध कब्जों पर उट ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हरसंभव मदद करेगी।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इलाज से जुड़ी सभी औपचारिकताएं तेजी से पूरी करें ताकि समय रहते जरूरतमंदों को सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतों पर कहा कि हर मामले को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निपटाया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर पीड़ित को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों के साथ बातचीत करते हुए उनके नाम और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों को पढ़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उट ने उन्हें चॉकलेट भी दी। उनकी सादगी और सहजता ने बच्चों और उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी ला दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता और सक्रियता ने जनता में भरोसा जगाया है कि सरकार उनके हर मुद्दे पर गंभीर है। चाहे वह जमीन विवाद हो, इलाज की समस्या हो या किसी अन्य क्षेत्र से जुड़ी शिकायत–हर पीड़ित को न्याय और राहत देने का उनका प्रयास जनता के बीच सकारात्मक संदेश दे रहा है।

झांसी में मंत्री बोली: सपा चाहती है कि बवाल हो

झांसी। यूपी सरकार की मंत्री बेबीरानी मौर्य शनिवार को झांसी पहुंची। मंत्री ने कहा कि संभल के विवाद पर मैं क्या कहूं। सभी ने देखा कि किस तरह से वहां पत्थरबाजी हुई है। उनको रोकने के लिए कुछ तो कार्रवाई करनी पड़ती। संभवता वही हुआ। मगर, समाजवादी पार्टी का काम ही है कि उधम हो, बवाल हो। लेकिन इस समय की भाजपा सरकार सही काम कर रही है। वे यहां के सर्किट हाउस में सपा के डेलिगेशन को संभल जाने से रोकने के सवाल पर जवाब दे रही थीं। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की घटना पर कहा कि देखिए ये अलग देश का मामला है। उसमें भारत इतना हस्ताक्षेप नहीं कर सकता। वहीं के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को हस्ताक्षेप करना चाहिए और उनका बचाव करना चाहिए। वहीं, बागेश्वर धाम की यात्रा पर कहा कि ये धार्मिक यात्रा थी। पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की ईश्वर को लेकर अस्था है और वे अस्था जगाने का काम कर रहे हैं तो अच्छी बात है। हिंदू राष्ट्र बनाने का उनका अपना मत है। उनकी यात्रा राजनीति से प्रेरित नहीं है।

मस्जिद में बच्ची से रेप की कोशिश

मौलाना ने भाई के साथ मिलकर 3 घंटे बंधक बनाया, दोनों गिरफ्तार

संभल । एक मस्जिद में 13 साल की बच्ची को 3 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। उससे रेप की कोशिश की गई। लोगों ने बच्ची की रोने-चिल्लाने की आवाज सुनी, तो पुलिस को सूचना दी। इसी बीच घर वाले भी बच्ची को तलाश करते हुए मस्जिद तक पहुंच गए। अंदर गए, तो वहां एक नाबालिग लड़का बच्ची के साथ आपत्तिजनक हालत में मिला। पुलिस ने उसे पकड़ कर बच्ची को मेडिकल के लिए भेजा। इस मामले में मौलाना और उसके नाबालिग भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बच्ची की मां की शिकायत पर पॉक्सो समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। मामला गुन्नौर थाना क्षेत्र का है। ढलान वाली मस्जिद से शुक्रवार शाम को चीखने की आवाजें आने पर वहां से गुजर रहे लोग अंदर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि एक नाबालिग लड़का बच्ची से रेप करने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच बच्ची के घर वाले भी उसे ढूंढते हुए मस्जिद के अंदर पहुंच गए। बच्ची ने अपने घर वालों को बताया कि मौलाना साजिद उसे अपने नाबालिग भाई के साथ मस्जिद में लाया था। 3 घंटे तक मस्जिद के भीतर रखा। इसके बाद घर वालों ने पूरे मामले की पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौलाना साजिद और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची का छोटा भाई मौलवी से पढ़ने मस्जिद आता था। शुक्रवार को भी वह यहां आया था। शाम 7 बजे बच्ची अपने भाई के पास गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद मौलवी के नाबालिग भाई ने उसे पकड़ लिया। फिर उसे कमरे में बंद कर लिया और उसके साथ गंदी हरकत की। एसपी कृष्ण विश्नोई ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दी कि उनकी बच्ची की उम्र 13 साल है। बच्ची को 3 घंटे तक ढलान वाली मस्जिद में बंद करके रखा गया। मस्जिद के मौलवी साजिद और उसके नाबालिग भाई ने बच्ची को बंद किया था।

पुलिस ने जब बच्ची को ढूंढना शुरू किया, तो वह मस्जिद के अंदर मिली। बच्ची को उसके घर वालों के हवाले कर दिया गया है। पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। बच्ची ने बताया है कि उसके साथ रेप की कोशिश की गई है।

संविधान दिवस समारोह में वैचारिकी क्रांति का आह्वान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत वार्ड नं 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) स्थित रामलीला मैदान में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में संविधान के मूल्यों पर चर्चा की गई। रविवार को आयोजित समारोह की शुरूआत संविधान की पुस्तक, बुद्ध प्रतिमा व डॉ आंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। मुख्य अतिथि प्रो लक्ष्मण यादव, ने कहा कि संविधान को लेकर हमें जागरूक होना होगा। महात्मा फुले, अम्बेडकर की चर्चा करते हुए कहा कि देश को एक क्रांति की जरूरत है। इस क्रांति के सबसे बड़े नायक बाबा साहब हैं। जिन्होने दलित, पिछड़ों व अल्पसंख्यक वर्ग को अधिकार दिया। आज संविधान खतरे में है। इसे बचाने की जरूरत है। अपनी जिम्मेदारी समझें झूठ, लूट, राजनीति के खतरे से अपने परिवार को बचाएं। अगर नहीं चेते तो हजारों सालों से सामाजिक न्याय की लड़ाई खत्म हो जाएगी और आने वाली पीढ़ियां गुलाम हो जाएंगी। शिक्षा पर ध्यान दें और हक के लिए लड़ें। मेरा विश्वास है कि आप जीतेंगे। कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। युवा, नौजवान शिक्षक पर लाठियां बरसाई जा रही है। वहीं कावड़ यात्रा वालों पर फूल बरसाए जा रहे हैं। हमें संविधान ही न्याय दिला सकता है। विशिष्ट अतिथि एडवोकेट निर्देश सिंह, गुजरात आरक्षण आंदोलन के संयोजक चिराग पटेल, चन्द्र भूषण सिंह यादव, डॉ आरएस पटेल, डॉ रमाकांत कुशवाहा, गोबर्द्धन गोंड़, भन्ते डॉ नन्द रतन, भंते महेंद्र, प्रो वीरेंद्र कुमार, भन्ते विमल कीर्ति, प्रो. बीड़ी गौतम, डॉ अवधेश बौद्ध, आरके गौतम, सुनैना सिंह कुशवाहा, प्रो विनय, डा अभय प्रताप, गुड्डी शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा बनाये भारत के संविधान को बदलने की साजिश की जा रही है। इसलिए जागरूक हों और और संविधान में प्रदत्त समानता, बंधुता, स्वतंत्रता, बंधुता, अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को लेकर वैचारिकी क्रांति का आह्वान किया ताकि अधिकार व कर्तव्य की रक्षा हो। कार्यक्रम संयोजक डॉ राघवेंद्र सिंह पटेल, सह संयोजक सभासद विजेंदर सिंह भगत, कमलेश कुशवाहा, जेपी यादव, गणेश पटेल, अशोक सिंह, संजय सिंह, प्रवक्ता हीरालाल गोंड़, शिक्षक अवधेश कुमार, सभासद पीएन सिंह, अजेन्द्र सिंह, गिरिजेश सिंह, प्रियेश गोंड़ आदि ने अतिथियों को पंचशील की पट्टिका, संविधान की पुस्तक व बुद्ध के चित्र देकर सम्मानित किया। जीवन दीप स्कूल के बच्चों द्वारा बुद्ध गीत और ज्योति बा फुले पर आधारित नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी। अध्यक्षता अवकाश प्राप्त जिला जज सगीर आलम व संचालन कार्यक्रम समन्वयक नीतीश विश्वकर्मा, वृजेश कुशवाहा ने किया जबकि आभार डॉ राघवेंद्र व विजेंद्र विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर पहलवान रामाश्रय यादव, डॉ पवन खरवार, शिव विश्वकर्मा, शिव खरवार, इलियास अंसारी, सपा जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी, पुरन्दर प्रताप यादव, आशिक अली, रामशंकर शर्मा, बच्चा यादव, श्रीनारायण कुशवाहा, महेश पासवान, डॉ पी के पटेल, प्रियेश गोंड़, अमरजीत सिंह, शैलेश कुशवाहा, रामकिशोर चौहान, भन्ते विनय कीर्ति, जनार्दन यादव, विनायक यादव, समीउल्लाह अंसारी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक कर दिया एड्स के प्रति जागरूता का संदेश

बस्ती । विश्व एड्स दिवस पर जिला एड्स नियंत्रण समिति, ग्रामीण विकास सेवा समिति, उम्मीद संस्था ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। नुक्कड़ नाटक ने इस कार्यक्रम में खास आकर्षण का केंद्र बनकर लोगों को एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरएस दुबे ने की। रेलवे स्टेशन परिसर में स्टेशन अधीक्षक की अध्यक्षता में एचआईवी/एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ स्टेशन अधीक्षक नसीम अहमद, रेलवे चिकित्साधिकारी डॉ. मुसक्कीर अहमद और आरपीएफ इंस्पेक्टर सुनील कुमार कसाना ने फीता काटकर किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरएस दुबे ने संगोष्ठी के दौरान बताया एचआईवी/एड्स से जुड़ी जानकारी के लिए कोई भी व्यक्ति 1097 पर कॉल कर सकता है। यह सेवा पूरी तरह से निशुल्क है। क्लस्टर प्रोग्राम ऑफिसर अखिलेश सिंह ने कहा कि बच्चों को भी समय-समय पर एड्स और यौन रोगों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि वे भी सतर्क और जागरूक रहें। ग्रामीण विकास सेवा समिति के सचिव अंबुज कुमार यादव और सीएससी के परियोजना निदेशक रिवान ने बताया कि इस वर्ष भी प्रवासी और युवाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एचआईवी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर उम्मीद संस्था की परामर्शदात्री अलका मिश्रा, ओएसटी काउंसलर अमित यादव, एआरटी से ज्योत्सना गुप्ता, सम्पूर्ण सुरक्षा क्लीनिक से ममता पाठक, आईसीटीसी से स्वेता मणि त्रिपाठी, और ग्रामीण विकास सेवा समिति के मोहम्मद असरफ, दया शंकर, कंचन, और सीएससी के संजय भट्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य करने वाली पार्टी: डॉ रंजन शर्मा

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी ही राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य करने वाली राजनीतिक पार्टी है।भाजपा में जहां देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्य किया जाता है, वहीं आतंरिक लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए संगठन के कार्यों को भी लोकतांत्रिक रूप से पूरा किया जाता है। भाजपा में बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय सदस्यों को ही पदाधिकारी बनाया जाता है। हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं, इसलिए आंतरिक लोकतंत्र भी हमारे अंदर होता है और उसी के अनुसार संगठन के चुनाव होते हैं। दूसरों

की तरह किसी को लाकर नहीं बिठाते। संगठन पर्व चुनाव में बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष के बाद प्रदेशाध्यक्ष और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक सक्रिय सदस्य अपनी भूमिका निभाते हैं। यह बातें भारतीय जनता पार्टी संगठन चुनाव के जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा ने कहा। वह रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में संगठन पर्व द्वितीय चरण के जिला कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के प्रथम चरण में हम लोगों ने बूथ समिति का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न किया है अब आगे 15 दिसंबर तक हर हाल में मण्डल अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न कराना है।बअध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने बताया कि कुशीनगर जनपद के सभी 34 मण्डलों में 50 प्रतिशत से अधिक बूथों का गठन किया जा चुका है अगले दो दिनों के अन्दर शत-प्रतिशत बूथ समिति गठित कर दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन पर्व पार्टी के लिए उत्सव है सभी पदाधिकारी उत्साह और उमंग पूर्वक पूरी निष्पक्षता से संगठन पर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। संचालक जिला सह चुनाव अधिकारी व जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, लल्लन मिश्र, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, हाटा विधायक मोहन वर्मा, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड,अजय तिवारी, राधेश्याम पाण्डेय, सन्तोष दत्त राय, सुदर्शन पाल, अवधेश प्रताप सिंह, विजय कुमार शुक्ल,विनोद भारती, मनोज जायसवाल,बंका सिंह पटेल, रामेश्वर कुशवाहा, प्रवीण गुंजन, अतुल श्रीवास्तव सहित जिला पदाधिकारी,सभी मण्डल चुनाव अधिकारी, मण्डल अध्यक्ष और संगठन पर्व सहयोगी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

दस रुपए के लिए बुलाई पुलिस: डेढ़ साल से नहीं दिए थे बकाया दस रुपये

हरदोई। जिले में अजीबोगरीब मामला सामने आया है। डेढ़ साल से एक युवक ने बकाया दस रुपये नहीं दिए तो दुकानदार ने पुलिस बुला ली। पुलिस के पहुंचने से पहले ही युवक ने रुपए दे दिए। डेढ़ साल से पान मसाला के 10 रुपये अदा न किए जाने से नाराज होकर एक शख्स ने यूपी 112 पर कॉल कर दिया। यूपी 112 की पीआरवी मौके पर पहुंची तो समस्या सुनकर निस्तारण कराया। शिकायत दर्ज कराने वाले ने बताया कि यूपी 112 पर शिकायत दर्ज कराते ही बकायेदार ने रुपये अदा कर दिए। मामला सांडी थाना क्षेत्र के बरंडारी गांव का है। यहां के रहने वाले जीतेंद्र एक हाथ से निशक्त हैं। जीतेंद्र पान की दुकान चलाते हैं। गांव के ही संजय ने डेढ़ साल पहले 10 रुपये की पान मसाला की पुड़िया ली थी। इसके रुपये अभी तक नहीं दिए थे। शनिवार को जीतेंद्र ने संजय से रुपये मांगे तो विवाद हो गया। जीतेंद्र ने यूपी 112 पर कॉल कर दी। मौके पर पहुंची पीआरवी की टीम ने पूछताछ की तो 10 रुपये का विवाद सामने आया। हालांकि, जितेंद्र ने बताया कि यूपी 112 पर फोन करते ही संजय ने 10 रुपये दे दिए थे।

जिलाधिकारी से कुम्हऊपुर स्थित कृषि भूमि की हदबंदी पैमाईश कराने की मांग

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के ललपुरा थाने के कुम्हऊपुर गाँव में रहने वाली गुल्हय्या पत्नी स्व० वृन्दावन ने हमीरपुर के तेज तर्रार जिलाधिकारी घनश्याम मीना को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी ललपुरा थाने के कुम्हऊपुर में गाटा संख्या-5,6, 7 जिसका रक्बा 1.2660 हैक्टेयर कृषि भूमि है, जिस पर वो काबिज रहकर कृषि कार्य करते हैं। जिसकी हदबंदी के लिये प्रार्थिया के पति ने सन 2021 में बाकायदा नियमानुसार 22 जुलाई 2021 में ट्रैजरी में 3000/- रुपये शुल्क का चालान जमा करके हदबंदी पैमाईश कराने के लिये एसडीएम सदर के यहाँ आवेदन किया था। लेकिन प्रार्थिया की इस कृषिभूमि की आजतक हदबंदी नहीं कराई गई। जबकि इसके बावजूद भी प्रार्थिया ने हदबंदी कराये जाने के लिये कई बार आवेदन किया, लेकिन प्रार्थिया की हदबंदी अब तक नहीं हो पाई, जबकि गाँव के ही कुछ दबंग प्रार्थिया को उसकी जमीन हड़पने की खुलेआम धमकी दे रहे हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने प्रार्थिया को भरोसा दिलाया कि, डरने या घबराने की कोई बात नहीं है, जल्द ही उसकी कृषि भूमि की हदबंदी कराई जायेगी।

लखनऊ में मां ने बेटे को खिलाया प्रसाद, तबीयत बिगड़ी

लखनऊ । अस्पताल में भर्ती बेटे को उसकी मां ने प्रसाद खिलाया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पिता ने मां और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मामला गोमतीनगर विस्तार इलाके का है। यहां के रहने वाले मनीष कुमार शुक्ला ने बताया, 17 नवंबर को बड़े बेटे का एक्सीडेंट हो गया था। पत्रकारपुरम में एमिसियो अस्पताल में बेटे को भर्ती कराया था। 18 नवंबर को मेरी गैरमौजूगी में पत्नी हीना अस्पताल पहुंची और क्ठव में भर्ती बेटे को कुछ खिला दिया। इससे बेटे की तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज चला। बेटा स्वस्थ हुआ तो बताया कि मां ने प्रसाद खिलाया था, जिससे हालत खराब हो गई। 22 नवंबर को हीना फिर बेटे से मिलने पहुंची। मैंने कहा कि अब कुछ मत खिलाना, तो उसने हंगामा शुरू कर दिया। मनीष ने बताया, अस्पताल के बाहर गाली देने लगी। इससे भीड़ जुट गई। उसने फोन कर प्रेमी श्वेतांग समेत अज्ञात लोगों को बुला लिया। मौके पर 5-6 लोग आए और मारपीट करने लगे। मैं वीडियो बनाने लगा तो श्वेतांग स्कूटर पर लात मारकर गिरा दिया। इसके बाद हमला कर दिया। जिससे हाथ के अंगूठे में चोट आई है। पुलिस को सूचना दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद खुद मेडिकल कराकर डीसीपी ईस्ट से शिकायत की। तब जाकर मामला दर्ज हुआ। मनीष ने बताया, उसके दो बेटे और एक बेटी है। बेटे मां की असलीयत जानने के बाद मेरे पास रहते हैं, जबकि बेटी को बहला कर अपने पास रखा है। पत्नी का चरित्र ठीक नहीं है, इसलिए दोनों बेटे उससे बात भी नहीं करते।हीना से एक साल से विवाद चल रहा है। हीना दूसरे व्यक्ति श्वेतांग द्विवेदी के साथ रहती है। मामले में इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी का कहना है कि पति-पत्नी का आपसी विवाद है। इसके पहले महिला केस दर्ज करा चुकी है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम पॉलीथिन बैग्स का उपयोग

बस्ती । एक बार फिर प्रतिबंधित पॉलिथिन का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। यह अब दुकानों से लेकर घरों तक में पहुंचने लगी है। जब इस पर पड़ताल की गई तो यह सामने आया कि मंगलबाजार से पूरे जिले में प्रतिबंधित पॉलिथिन की सप्लाई हो रही है। रविवार को गांधीनगर के पक्का बाजार में ठेले वाले ग्राहकों को प्रतिबंधित पॉलिथिन में सामान देते हुए कैमरे में कैद हुए। ठेले पर सब्जी, फल बेचने वाले से लेकर बड़ी दुकानों तक में इस पॉलिथिन का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे कि कंपनीबाग, गांधीनगर, मालवीय रोड, पुराना डॉकखाना, पुरानी बस्ती और यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी दुकानदार पॉलिथिन में सामान दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस पर कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे लगता है कि इन्हें खुली छूट मिल चुकी है। शहर की बात करें तो नगर पालिका परिषद के तत्कालीन ईओ अखिलेश त्रिपाठी की ओर से शहर को पॉलिथिन से मुक्ति दिलाने के लिए अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत कई दुकानदारों पर जुमार्ना भी लगाया गया था और नगर पालिका क्षेत्र से पॉलिथिन लगभग गायब हो गई थी। लेकिन वर्तमान में यह अभियान पूरी तरह से विफल हो चुका है। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नेहा वर्मा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शहर को पॉलिथिन मुक्त कराने के लिए सभी का सहयोग चाहिए।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

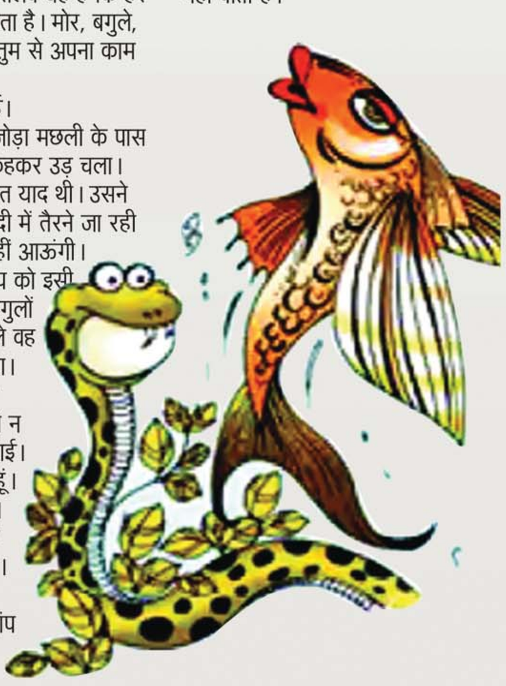

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्ध शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है.

बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशो में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस शीर्ष पर कायम

मुंबई ।

राजस्व, लाभ, बाजार मूल्य और सामाजिक प्रभाव के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में भारत की सबसे अधिक विजिबिलिटी वाली कंपनी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मीडिया में रिलायंस की विजिबिलिटी भारत की अग्रणी एफएमसीजी या बैंकिंग और वित्त कंपनियों की तुलना में काफी अधिक है।

साल 2024 के लिए न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 100 में से 97.43 अंक हासिल किए।

साल 2023 में यह 96.46, 2022 में 92.56 और 2021 में 84.9 था। कंपनी लगातार टॉप पर बनी हुई है और इसकी विजिबिलिटी बढ़ रही है।

दरअसल विजीकी का न्यूज स्कोर खबरों की संख्या, शीर्षक उपस्थिति, प्रकाशनों की पहुंच और पाठकों की संख्या के आधार पर निर्धारित होता है।

रिलायंस विजीकी की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों से वार्षिक रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। विजीकी रैंकिंग में रिलायंस की रैंकिंग 97.43 के न्यूज स्कोर के साथ बाकी कंपनियों से ऊपर रही। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (89.13), एचडीएफसी बैंक (86.24), पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (84.63), आईसीआईसीआई बैंक (84.33) और जोमैटो (82.94) का स्थान रहा।

विजीकी न्यूज स्कोर एक गणना है, जो विभिन्न कारकों पर विचार करके भारत में किसी ब्रांड की मीडिया उपस्थिति को दिखाता है। इसमें समाचार की संख्या (ब्रांड के बारे में समाचार की संख्या), शीर्षक उपस्थिति (ब्रांड का नाम कितनी बार सुर्खियों में दिखाई दिया), प्रकाशन पहुंच (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पहुंच) और पाठक संख्या (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पाठक संख्या) शामिल हैं। स्कोर शून्य से 100 तक होता है और यह चार लाख से अधिक प्रकाशनों की निगरानी पर आधारित है।

नैसकॉम ने लॉन्च की प्लेबुक, एआई जोखिम को कम करने में करेगी मदद

नई दिल्ली।

नैसकॉम ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए डेवलपर्स प्लेबुक लॉन्च की है। यह प्लेबुक डेवलपर्स को देश में एआई डेवलपमेंट, स्थापना और इस्तेमाल को लेकर जोखिमों की पहचान कर उन्हें कम करने में मदद करेगी। नई दिल्ली में कॉन्फ्लुएंस फॉर रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस (आरआईसीओएन) के उद्घाटन अवसर पर लॉन्च की गई प्लेबुक एआई रिस्क मैनेजमेंट लैंडस्कैप को नेविगेट करने में डेवलपर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बीच आई है।

प्लेबुक भारत सरकार और नैसकॉम के एक साथ सहयोग से एआई से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए एक इंडस्ट्री फ्रेमवर्क की स्थापना को लेकर अहम है।

आईटी इंडस्ट्री बॉडी ने कहा कि उद्योग, सरकार, शिक्षा और नागरिक समाज के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के एक समूह ने प्लेबुक की कठोर समीक्षा और सत्यापन किया है। यह जिम्मेदार एआई के लिए एक संतुलित और अच्छी तरह से समर्थित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो देश के हितों और सामाजिक कल्याण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेबुक इनोवेटर्स को संभावित जोखिमों की पहचान करने, बेस्ट प्रैक्टिस के साथ तालमेल बैठाने और एआई विकास और स्थापना के लिए जिम्मेदार एआई पद्धतियों को अपनाने के लिए जरुरी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इंडिया एआई मिशन के सीईओ सिंह ने कहा कि प्लेबुक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करती है। प्लेबुक डेवलपर्स को प्रैक्टिकल फ्रेमवर्क के साथ एआई के सिद्धांतों को लागू करने में मददगार साबित होगी।

नैसकॉम के एआई प्रमुख ने कहा कि यह उद्योग हितधारकों के बीच जिम्मेदार एआई प्रैक्टिस को आगे बढ़ाने के लिए नैसकॉम जिम्मेदार एआई हब के चल रहे प्रयासों पर आधारित है।

होंडा की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई पेश

नई दिल्ली ।

होंडा ने भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रख दिया है। कंपनी ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई को पेश किया है। फिलहाल, कंपनी ने इन स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स एक्टिवा- ई और क्यूसीआई में उपलब्ध होगा। स्कूटर की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। शुरुआती चरण में यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में उपलब्ध होगा। एक्टिवा- ई में 1.5केडब्ल्यूएच की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जिन्हें होंडा मोबाइल पॉवर पेक- ई नाम दिया गया है। ये बैटरियां एक बार चार्ज होने पर 102 किलोमीटर की रेंज देती हैं।

बैटरी को चार्ज करने की झंझट खत्म करने के लिए होंडा ने दिल्ली और बेंगलुरु में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित कर दिए हैं, और मुंबई में यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी। स्कूटर में 6केडब्ल्यू परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर दी गई है, जो 22एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है।एक्टिवा- ई को 12-इंच अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन के साथ पेश किया गया है। इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है। यह स्कूटर पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा- पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मेटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक।

होंडा एक्टिवा- ई अपने दमदार फीचर्स और स्वैपेबल बैटरी तकनीक के जरिए भारतीय बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स ईको, स्टैंडर्ड, और स्पोर्ट दिए गए हैं। स्पोर्ट मोड में यह 80 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है और 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है।

आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

नईदिल्ली ।

भारत में आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर दी गई है। इसकी सीधी टक्कर टाटा कर्व ईवी से होगी, जो पहले से ही इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है।कंपनी ने इस नई ईवी को अपने अत्याधुनिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है।

महिंद्रा बीई 6ई को बोल्ड और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है। कार के बोनट पर बीई का लोगो और सी-शेप डीआरएल के साथ शार्प एलईडी हेडलाइट्स इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में डबल इंटीग्रेटेड स्क्रीन, टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और ब्लैक-एंड-व्हाइट केबिन थीम दी गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसकी अधिकतम रेंज है, जो 682 किलोमीटर तक है। दो बैटरी पैक विकल्प 59केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच दिए गए हैं। डीसी 175केडब्ल्यू फास्ट चार्जर की मदद से यह कार मात्र 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, एडीएएस लेवल 2 प्लस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। इसकी शुरुआती कीमत 18.90 लाख रुपये रखी गई है। महिंद्रा बीई 6ई अपनी लंबी रेंज और तेज चार्जिंग के साथ एक नया मानक स्थापित कर सकती है।

वहीं, टाटा कर्व ईवी पहले से अपने फीचर्स और मूल्य के कारण बाजार में मजबूत स्थिति में है। दोनों मॉडलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। वहीं, टाटा कर्व ईवी 502 किलोमीटर की अधिकतम रेंज और 45केडब्ल्यूएच व 55केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आती है। इसके इंटीरियर में 12.3 इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 17.49 लाख रुपये से शुरू होती है।

हमारे समूह पर हुए हमलों ने हमें मजबूत बनाया है: गौतम अदाणी

अदाणी ने कहा, सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स जगमगाईं, जहां अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपनी विचारधारा को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर हमला उन्हें और मजबूत बनाता है और हर बाधा एक सीढ़ी बना देता है। इस समारोह में गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के चर्चे किए। उन्होंने दुनिया को यह दिखाया कि उनकी विचारधारा कैसे उन्हें समृद्धि की ओर ले जा रही है। गौतम अदाणी ने समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया, जो दिखाता है कि उनकी संघर्षमय यात्रा में किसी भी चुनौती का कैसे सामना किया गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बनाए रखने का प्रमाण दिया। उन्होंने ध्यान दिया कि सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा परंतु उन्हें आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गौतम अदाणी की ये विचारधारा और संघर्ष आज के दुनिया में एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो हमें यह सिखाते हैं कि उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हर मुश्किल का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

विदेशी निवेशकों ने निकाले भारतीय इक्विटी बाजार से 21,612 करोड़

अक्टूबर में एफपीआई ने 94,017 करोड़ की बिकवाली की थी

नई दिल्ली।

नवंबर महीने में भारतीय इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों ने इतने संकेतिक रूपये निकाले जितने कि 2.56 अरब अमेरिकी डॉलर में इस संकेतिक निकासी के परिणामस्वरूप, विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि, डॉलर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी की वजह से एफपीआई निवेशकों की बिकवाली दिख रही है। हालांकि, इस निकासी का स्तर अक्टूबर के निकासी के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा है जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। अब तक 2024 में एफपीआई ने कुल 15,019 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि आने वाले समय में ट्रंप के नीतियों, मुद्रास्फीति, और ब्याज दर से एफपीआई का रुख निर्धारित होगा। साथ ही, उन्होंने भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के आय प्रदर्शन की भूमिका के महत्व को भी जानकारी दी।

एमएंडएम मौजूदा बिक्री नेटवर्क के जरिए ईवी बेचेगी

एक जगह उपलब्ध होंगे सभी विकल्प

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घोषणा की है कि वे अब अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपने मौजूदा बिक्री नेटवर्क के माध्यम से बेचेंगे। यह नई पहल का मकसद है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी विकल्प उपलब्ध कराएं जाएं। इस उद्देश्य को पूरा करते हुए कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल - बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का विस्तार किया है। एमएंडएम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसमें व्यापक रूप से भाग लेने की योजना बताते हुए कहा` कि हम बिक्री चैनल को एक समान रखना चाहते हैं ताकि ग्राहक को आईसीई और ईवी के बीच चयन करने की सुविधा मिले। वे एक संवेदनशील प्रश्न के जवाब में यह भी बताते हैं कि क्या कंपनी अपने ईवी रेंज के लिए एक अलग बिक्री नेटवर्क की स्थापना करेगी। जारी` किए गए बयान में यह भी कहा कि एमएंडएम एक विशेष टीम की स्थापना कर रही है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और सेवा को संभालेगी। उन्होंने बताया कि नए वाहन मॉडल संबंधी डिलीवरी को फरवरी-मार्च के बीच में शुरू किया जाएगा और वे आशा कर रहे हैं कि ग्राहकों को यह नए विकल्प पसंद आएंगे। इस पहल के बाद एमएंडएम ने ईवी बिक्री और सेवा को सुधारने के लिए एक विशेष धारा स्थापित करने की योजना बनाई है जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधा मिले।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पर

- विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख मोटरकार कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रविवार का एक मुख्य घोषणा की कि नवंबर 2024 तक उनकी थोक बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पहुंच गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि उनके इलेक्ट्रिक वाहन विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की है। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल मासिक बिक्री में नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) का हिस्सा 70 प्रतिशत है। यह उछाल उनके इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है और उन्हें बाजार में भी मजबूती का अहसास करवाता है। इस ताजा विकेन्द्रीकरण के साथ जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को लेकर नए उत्साह का संकेत दिया है। उनकी विंडसर श्रृंखला और एनईवी सेगमेंट में उच्च बिक्री उनके उद्यमी रुझान के प्रति विश्वास को मजबूत कर रही है।

देश की नौ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.29 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह देश की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,29,589.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम को सबसे अधिक लाभ हुआ। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकर 39,513.97 करोड़ रुपये बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि, इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

मुंबई ।

इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है।

भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा हुआ

- एटीएफ के दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर बढे

नई दिल्ली । कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपये की वृद्धि कर दी है। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 1818.50 रुपये का है। यह पांचवां महीना है जब इन सिलेंडरों की कीमतें बढ़ रही हैं। इस बढ़ती कीमतों का असर हवाई ईंधन के भी दामों पर पड़ रहा है। एटीएफ का दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर महंगा किया गया है। यह दर भी पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। अब एलपीजी सिलेंडर की कीमतें नवंबर में भी बढ़ी थीं। इसमें कोलकाता में 1927.00 रुपये, मुंबई में 1771.00 रुपये और चेन्नई में 1980.50 रुपये की कीमतों का घोषणा की गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में सब्सिडी के बिना इस सिलेंडर की कीमत 803.00 रुपये में है। कंपनियों ने यह भी जाहिर दिया कि हवाई ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया गया है, जिससे उड़ान भरने वालों के लिए टिकट की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इस बढ़ोतरी की क्या होगा अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक बाजार, आवक घटने से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच देश में सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 10-15 प्रतिशत कमजोर रहने की वजह इन तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों की आवक घटकर प्रतिदिन करीब 1.5 लाख बोरी रह गई जबकि सरसों की प्रतिदिन की खपत करीब 3.5-4 लाख बोरी की है। चूंकि अब पामोलीन तेल का दाम सरसों से अधिक हो गया है इसलिए आगे जाकर सरसों की खपत और बढ़ने जा रही है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,410 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,500-4,550 रुपये और 4,200-4,235 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 75 रुपये, 125 रुपये और 185 रुपये सुधरकर क्रमशः 13,875 रुपये, 13,825 रुपये और 9,885 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने और मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट आई। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,100-6,475 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 600 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 90 रुपये की गिरावट दर्शाता 2,130-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पुष्पा इम्पॉसिबल अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस से पहले दिव्यांग व्यक्तियों की समावेशिता को बढ़ावा देता है

मुंबई : सोनी सब शो पुष्पा इम्पॉसिबल में लंबे समय से अपने प्रगतिशील और सशक्तीकरण का संदेश देने वाले शो के लिए जाना जाता है, दुनिया तीन दिसंबर को दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाने के लिए तैयार है, शो के लॉन्च के समय चैनल ने विशेष रूप से सक्षम अभिनेता हंस असलोट को डाउन सिंड्रोम वाले एक पात्र गोलू के रूप में कास्ट करके समावेशिता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दिखाई। यह निर्णय न केवल उन्हें अपने साथी अभिनेताओं के साथ कहानी में जोड़ता है, बल्कि उनकी ताकत, सपनों और योगदान पर भी जोर देता है, जो कहानी कहने के लिए एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है। यह एपिसोड अन्य विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा और कहानियों को भी प्रदर्शित करेगा, जो इस तरह की कहानियों के समाज पर पड़ने वाले गहन प्रभाव की मार्मिक याद दिलाता है।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

> भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा।

सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंज़ूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज आफ डूइंग बिजिनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं।

विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्लसहकारिता से विकासह्व का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

संपादकीय

'महायुति' में जोरआजमाइश

महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसम्बर को होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। 23 नवम्बर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के इतने दिनों बाद अभी तक नये मुख्यमंत्री के शपथ न ले सकने पर अटकलबाजियों का बाजार भी गरम है। हालांकि इतना तय है कि मुख्यमंत्री भाजपा का होगा और देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री की दौड़ में आगे चल रहे हैं। इस बीच, कार्यकारी मुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे) के नेता एकनाथ शिंदे के अचानक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अपने पैतृक गांव चले जाने से यह भी लगता है कि महायुति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। महायुति के घटक दल भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के बीच बताया जाता है कि भाजपा को मुख्यमंत्री पद और उपमुख्यमंत्री के दो पद, जिनमें से एक-एक पद शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को दिए जाने पर मुहर लग चुकी है। तो शिंदे का एकाएक अपने गांव चले जाने को क्या समझा जाए? दरअसल, संख्या बल के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद पर शिंदे दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि उनके पक्ष के कुछ विधायकों ने यह कहकर मामले को गरमाने की कोशिश जरूर की कि चुनाव उनके चेहरे पर लड़ा गया था और उनकी कुछ योजनाओं ने मतदाताओं को खासा प्रभावित किया जिससे महायुति के पक्ष में जनादेश आया। यह भी कहलवाया गया कि मुख्यमंत्री पद पर ओबीसी को लाया जाए। ढ़ाई-ढ़ाई साल मुख्यमंत्री पद पर रहने का प्रस्ताव भी शिंदे के एक विधायक ने रखा था। लेकिन शिंदे को इतना साफ हो गया है कि भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद से नहीं नवाजने वाली। उस सूरत में तो कतई नहीं जब अजित पवार के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा जुटाने की स्थिति में है। दरअसल, शिंदे की कोशिश है कि मुख्यमंत्री पद नहीं तो कुछ महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों पर काबिज हुआ जाए। इससे एक तो उन्हें अपने दल को एकजुट बनाए रखने में मदद मिलेगी और दूसरे, अपने मतदाता वर्ग को भी अपने साथ जोड़े रखने में मदद मिलेगी। शिवसेना (उद्धव) से भविष्य में मिल सकने वाली चुनौती से निश्चिंत होने के लिए शिंदे के लिए जरूरी है कि अपने मतदाता वर्ग और विधायकों को एकजुट रखते हुए अपनी पार्टी को मजबूत बनाए रखें। बहरहाल, शिंदे के सामने ज्यादा विकल्प नहीं हैं। भाजपा के पास सीएम पद रहना तय है। शिवसेना और एनसीपी (अजित) से 1-1 ड़िप्टी सीएम हो सकते हैं। इस बीच, घटक दलों में जोरआजमाइश जारी रहेगी।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

मोहन की भागवत का नया अध्याय बच्चे बढ़ाओ

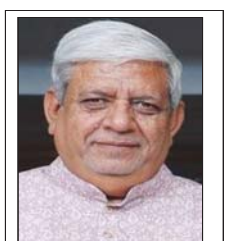

राकेश अचल

वेदव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं , लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय संविधान की तरह लचीली है। डॉ भगवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का । अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है और चिंतित भी।

संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्स्क हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फिक्र रहती है । आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया है कि हर कोई कम से कम ३ बच्चे तो पैदा करें ही , अन्यथा उनका वजूद मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है । देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की सख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं?

गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खड़े हुए । वे तीन क्या ,एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो, हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है। सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं? नहीं हैं। वे पशु चिकित्स्क हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है। देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी ,जो भविष्य में घटना नहीं है ,भले ही देश की प्रजनन दर घटकर २ प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढ़ाने की फिक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है । भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन ,यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही ,कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है ,यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते । शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है,न रहने को घर ,चिकित्सा ,शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शरू कर दी तो ये मुफ्तखोरों की तादाद और नहीं बढ़ा देंगे !

देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए ,क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दुनिया की कुल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकत्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में

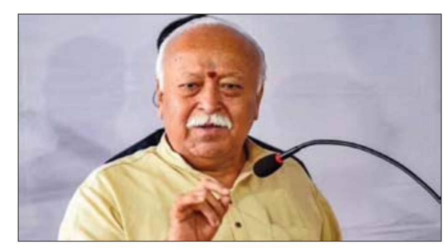

बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं। मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मै डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता,मेरी हैसियत भी नहीं है चुनौती देने की । लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मै भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मश्विरे के बारे में मै तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है ,लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं ,वे सोचें ,समझें और खुद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ ,अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमकिन है उस कतार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

बरेली पुल हादसा: लापरवाही कहें या हत्या

कुमार समीर

गूगल मैप्स हर किसी के जीवन का हिस्सा बन चुका है। एक स्थान से दूसरे गंतव्य तक पहुंचने के लिए इसका जम कर इसका इस्तेमाल हो रहा है। करोड़ों भारतीय रोजाना सफर करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे उन्हें अपनी यात्रा प्लान करने में मदद मिलती है। इसमें सड़कें, मोड़, लेन की जानकारी शामिल होती हैं।

यह भी सच है कि आज की तारीख में गूगल मैप्स नेविगेशन के क्षेत्र में लीडर की भूमिका में है। लोगों की इस पर निर्भरता किस हद तक बढ़ गई है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अगर आपकी, हमारी बिटिया देर रात भी कैब से एयरपोर्ट, स्टेशन जा रही है, या वहां से घर आ रही हैङ्क तो सुरक्षा के ख्याल से रिसीव करने या सीआफ करने की भी जरूरत नहीं है। घर बैठे ही उसकी लोकेशन ट्रैक की जा सकती है, और यह सुविधा तब तक रहती है, जब तक वह गंतव्य तक सुरक्षित नहीं पहुंच जाती। सुरक्षा की दृष्टि से यह बड़ी बात है, और जो भी इसका इस्तेमाल करते हैं, वे सफर आसान हो जाने के लिए गूगल को धन्यवाद देते भी नहीं थकते।

लेकिन पिछले दिनों बरेली में एक हादसे से सब कुछ उल्टा हो गया है। सुरक्षा को लेकर ही गूगल मैप्स ऐप पर सवाल खड़ा किया जाने लगा है। पूछा जा रहा है कि गूगल मैप्स ने टूटे पुल वाला रास्ता क्यों दिखाया? हालांकि इसमें भी दो राय नहीं कि हादसे के बाद प्रथम दृष्टया कोई भी यही सवाल करेगा। कई लोग तो तर्क देते हैं कि गूगल मैप्स बरेली में त्रासदी को टाल सकता था। यह गूगल मैप्स की लापरवाही है, जो यूजर्स डेटा की बड़ी मात्रा एकत्र करता है। पुल एक साल पहले ही गिर गया था, जिसका मतलब है कि इस अवधि के दौरान किसी भी यूजर ने उस सड़क का उपयोग नहीं किया। अगर यह मामला है तो सबसे बड़ा सवाल है कि गूगल मैप्स एक सड़क की सिफारिश कैसे कर सकता है, जिसका इस्तेमाल एक साल से ज्यादा समय से नहीं हुआ है?

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मिशन के प्रमुख अमित यादव का कहना है कि इस विसंगति को गूगल मैप्स के एल्गोरिदम द्वारा चिह्नित किया जाना चाहिए था, जिससे संभावित रूप से जीवन बच सकते थे, लेकिन जब इस मामले की तह में जाएंगे तब पता चलेगा कि सबसे बड़ा जिम्मेदार, गुनहगार कौन है बरेली में हुए दर्दनाक हादसे के लिए।

हमें समझना होगा कि आखिर, गूगल मैप कैसे रास्ता दिखाता है, कहां-कहां से डाटा इकट्ठा करके रास्ता बताने का काम करता है, और कब इसके फेल होने का खतरा रहता है? बता दें कि गूगल अपनी मैप सर्विस के लिए कई तरह से डाटा जुटाता है, और इसके आधार पर रास्ता बताता है। सबसे पहले सैटेलाइट इमेज के जरिए रूट की तस्वीर तैयार करता है। इसे तैयार करने में गूगल एरियल फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल करता है। ट्रैफिक सिग्नल कैमरा, जीपीएस, यूजर इनपुट और स्ट्रीट मैप के जरिए गूगल डाटा तैयार करता है। इसके बाद गूगल की मैप सर्विस सारे इनपुट के साथ रियल टाइम डाटा की एनालिसिस करती है, और इसके आधार पर गूगल रास्ता दिखाता है। गूगल मैप जीपीएस सिस्टम के जरिए यूजर की लोकेशन और मंजिल के बीच का रास्ता बताता है। मोड़ से पहले वॉयस के जरिए यूजर्स को अलर्ट भी भेजता है। यह सब कुछ इसलिए संभव हो जाता है क्योंकि गूगल कई तरह से डाटा इकट्ठा करता है। सड़क की क्या स्थिति है, यह स्ट्रीट व्यू के जरिए पता चलती है। स्ट्रीट व्यू के लिए वो कैमरे जिम्मेदार होते हैं, जो गूगल को मौजूदा हालात की जानकारी देते हैं। इनके जरिए ही गूगल तक सड़कों की 360 डिग्री तस्वीर पहुंचती है। इन सबकी प्रॉसेसिंग के बाद ही गूगल मैप के जरिए आप तक जानकारी पहुंचाता है।

अब घटना स्थल की बात करें तो जिस पुल पर यह हादसा हुआ उसकी अप्रोच रोड करीब साल भर पहले ही बाढ़ में बह गई थी। दरअसल, बदायूं जिला दातागंज से बरेली जनपद के फरीदपुर को जोड़ने के लिए एक पुल का निर्माण कराया गया था। पुल 2021-22 में बन कर तैयार हुआ था और 2022 में पुल पर वाहन दौड़ने लगे थे। कुछ महीने बाद ही बाढ़ आई

और 2023 जुलाई में पुल की अप्रोच रोड पूरी तरह से बह गई। अधूरे पुल पर जाने से ही गत रविवार सुबह कार पुल से नीचे नदी में गिर गई और 3 लोगों की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की बड़ी लापरवाही झलकती है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने पुल की अप्रोच रोड बहने के बावजूद पुल के दोनों ओर कोई भी अवरोध, बैरिकेड नहीं किया। इस वजह से दर्दनाक हादसे में 3 लोगो की जान चली गई। दोनों ओर बैरिकेड होता तो हादसा नहीं होता। कैमरे से गूगल को टूटे हुए पुल की जानकारी मिल जाती। पीडब्ल्यूडी द्वारा जान बूझकर पुल के दोनों किनारों पर मजबूत बैरिकेडिंगङ्क अवरोध, रिफ्लेक्टर बोर्ड नहीं लगाया गया था। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

पुष्पा 2ः द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।

गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में तोड़ा यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2ः द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1ः00 बजे, शाम 5ः00 बजे और रात 9ः00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12ः00 बजे, शाम 4ः00 बजे और 8ः00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।

प्रतिदिन चलेंगे 18 शो

प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पुष्पा 2ः द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

9 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेंगे सूर्या और तृषा कृष्णन

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं क्योंकि सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त रही है। सूर्या 45 का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेता को तमिलनाडु के पोलाची में श्री मसानिअम्मन मंदिर में निर्देशक आरजे बालाजी के साथ आगामी फिल्म के लिए पूजा समारोह में भाग लेते देखा गया। एकादशी के शुभ अवसर पर, सूर्या और आरजे बालाजी के साथ उनकी टीम समारोह के लिए प्रसिद्ध मंदिर में एकत्रित हुई। भगवान के आशीर्वाद के साथ फिल्म का मुहूर्त शॉट लिया गया। आइए इसके शूटिंग शेड्यूल पर गौर फरमा लेते हैं-

सूर्या 45 की शूटिंग का पहला शेड्यूल 28 नवंबर, 2024 को कोयंबटूर में होगा। सूर्या 45 लगभग दो दशकों के बाद सूर्या और तृषा कृष्णन को स्क्रीन पर साथ ला रही है। दोनों को आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में एक साथ देखा गया था। यह फिल्म सूर्या और आरजे बालाजी के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए एआर रहमान को संगीतकार के रूप में चुना गया है।

सूर्या 44 पर भी चल रहा काम

सूर्या अगली बार कार्तिक सुब्बाराज की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे, जिसका अस्थायी नाम सूर्या 44 है। सूर्या के साथ, फिल्म में पूजा हेगड़े, जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर और प्रकाश राज जैसे अन्य कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। शूटिंग पूरी होने और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर होने के साथ, निर्माता इसे 2025 की गर्मियों में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

पर्दे पर पस्त हुई कंगुवा

सूर्या 44 और सूर्या 45 के अलावा अभिनेता की पाइपलाइन में वेत्री मारन की वादीवासल और लोकेश कनगराज की रोलेक्स स्टैंडअलोन फिल्म भी है। इस तरह अभिनेता की आगामी लाइन-अप आशाजनक लगती है। वहीं, सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। समीक्षाओं का असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है।

बाहुबली की सफलता के बाद अपनी भूमिकाओं पर तमन्ना भाटिया का खुलासा

तमन्ना भाटिया ने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने फिल्म श्री से तेलुगु इंडस्ट्री में भी कदम रखा और उसके अगले साल केडी से तमिल में डेब्यू किया। तब से तमन्ना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं। लेकिन ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म बाहुबली 1 और बाहूबली 2 उनके जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ था। बाहुबली की आपार सफलता के बाद तमन्ना का जीवन कैसा था। तमन्ना भाटिया जब फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब वह नई थीं। इसलिए, ग्लैमर और चकाचौंध की दुनिया की भाषा और संस्कृति से तालमेल बिठाने के दौरान अभिनेत्री को शुरुआती सालों में काफी संघर्ष करना पड़ा था। अब तक, उन्होंने केवल 19 सालों में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बहरहाल, तमन्ना इन दिनों अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार में व्यस्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने करियर में शुरुआती संघर्षों के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, मुझसे बहुत बड़े लोगों के साथ और ऐसी जगह पर काम करना जहां मुझे भाषा नहीं आती थी, मेरी सबसे बड़ी सीखों में से एक थी। मैंने एक पूरी तरह से अलग संस्कृति को समझा और अब मैं तमिल और तेलुगु दोनों में बोल सकती हूं।卐 मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल और तेलुगु में अपनी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की व्यावसायिक सफलता के बाद अपने करियर में आए बदलाव के बारे में बताते हुए तमन्ना ने कहा, मुझे व्यावसायिक सफलता तो मिली, लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मैं अभी भी सीख रही थी। मैं अलग-अलग तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहती थी, जब कोई अभिनेता व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह धारणा बन जाती है कि इससे दूर जाना और भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना अनावश्यक है, लेकिन मेरा फंडा हटके था... मैं शुरू से ही अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी। तमन्ना ने अपनी जीवन पर बाहुबली के प्रभाव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सभी के लिए एक गेम-चेंजर फिल्म थी, लेकिन इसने वास्तव में मेरी सोच और समझ को व्यापक बनाया। आप बाहुबली से बड़ा कुछ कैसे कर सकते हैं? मुझे आगे क्या करना चाहिए? क्या मुझे कुछ बड़ा करना चाहिए? या मुझे फिर से आविष्कार करना चाहिए।

काली काली आंखें को मिली तारीफ से गदगद हैं आंचल

आंचल सिंह की सीरीज काली काली आंखें का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इसमें उनके साथ ताहिर राज भसीन, सौरभ शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह नजर आ रहे हैं। इनके अलावा इस बार गुरमीत चौधरी भी उनका साथ देते हुए नजर आ रहे हैं। शो में एक बार फिर से रणनीति और लुका-छिपी का खेल देखने को मिल रहा है। इसका पहला सीजन साल 2022 में आया था और अब दो साल बाद इसका अगला सीजन रिलीज हुआ है। अभिनेत्री ने सीजन 2 को मिले प्यार पर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों से इतने ज्यादा प्यार की उन्हें उम्मीद नहीं थी। दर्शकों ने इस शो को उनकी उम्मीद से भी ज्यादा प्यार दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें लगातार अलग-अलग शहरों से लोग कमेंट और मैसेज के जरिए प्यार जता रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अक्सर लोग कहते हैं कि सीजन 2 सीजन 1 से अच्छा नहीं होता है, लेकिन लोगों को इसका सीजन 2 काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। हम सभी ने इसे बहुत प्यार और शिद्दत से बनाया है। मैं बहुत खुश हूं कि हमारी सीरीज ट्रेंडिंग में है।

चुनौती भरा रहा शूटिंग का अहसास

आंचल ने इस बातचीत में आगे बताया कि इस बार काली काली आंखे में बहुत कुछ हो रहा है। इसमें पॉलिटिक्स, प्यार के साथ और भी कई चीजें देखने को मिल रही हैं। हालांकि, लोग इसमें प्यार के लिए हदें पार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह सीजन दो साल के बाद आया है। इस गैप के पीछे की वजह है कि लोगों द्वारा इसे प्यार मिल रहा है। कई लोगों को इस बार की स्टोरी लाइन, ड्रामा काफी नया लग रहा है और लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीरीज को मुंबई, मनाली और लंदन में शूट किया गया है। इसके लिए उन्हें तीन बजे सुबह उठना पड़ता था। बर्फ के बीच इसकी शूटिंग करना उनके लिए काफी चुनौती भरा था, लेकिन उन्हें ये करने में काफी मजा आया।

इस किरदार के बाद लगा मेरा नया जन्म हुआ है

अभिनेत्री ने अपने किरदार अपूर्वा को लेकर कहा कि उसमें उन्हें काफी गहराई नजर आती है। उनका किरदार इमोशनल है, फाइटर है और वो हर परिस्थिति से लड़ने को तैयार रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने किरदार से सीखा कि इंसान को वास्तविक जीवन में अपने स्वाभाव के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अपूर्वा प्यार करती है, तो छिपाती नहीं है। वो हमेशा अपनी चीजों को दिखाने और कहने के प्रति ईमानदार रहती है। यह किरदार मेरे लिए जिंदगी भर खास रहेगा। इस किरदार के बाद लगा कि मेरा नया जन्म हुआ है।

चंकी पांडे ने संघर्षों पर की बात बताया कैसे बन गए प्रॉपर्टी डीलर

चंकी पांडे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। अस्सी और नब्बे के दशक की शुरुआत में एक सफल करियर के बाद बतौर मुख्य किरदार उनके लिए अवसर कम होते चले गए। इसके बाद उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दी। हाल में ही बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में काम करने और वहां जीविका कमाने के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस बातचीत के दौरान चंकी ने बांग्लादेश में काम करने और जीविका कमाने के लिए संघर्ष करने को याद किया। इसे लेकर अनन्या ने उनसे पूछा कि 90 के दशक की शुरुआत के बाद चंकी का करियर ढलान पर आ गया, तो क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि यह अंत है। चंकी ने जवाब देते हुए कहा, हां हां। अंत का मतलब है कि यह म्यूजिकल चेयर्स की तरह था और जब संगीत बंद हो गया, तो आपके पास बैठने के लिए कुर्सी नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे पास ब्लॉकबस्टर फिल्में थीं।

बांग्लादेश में प्रॉपर्टी डीलर और इवेंट मैनेजमेंट में किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, इसलिए मैं बांग्लादेश चला गया, वहां फिल्में कीं। सौभाग्य से वे कामयाब रहीं और मैंने 4-5 साल तक उसे अपना घर बना लिया, लेकिन यह डरावना था।असल में मैंने काम करना बंद नहीं किया। मैंने एक इवेंट कंपनी खोली। फिर मैंने इवेंट करना शुरू किया। मैंने जमीन का सौदा करना, प्रॉपर्टी खरीदना शुरू किया। मैंने बस अपने अहंकार को किनारे रखा और खुद से कहा कि मुझे जीवित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने ये सब किया लेकिन मैंने उस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीखा।

तमाम चुनौतियों के बाद डटे रहे चंकी

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, चंकी पांडे का करियर चलता रहा है। 1980 के दशक में तेजाब और आंखें जैसी हिट फिल्मों से स्टारडम हासिल करने के बाद, उन्होंने 2000 के दशक में खुद को एक चरित्र अभिनेता के रूप में फिर से स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने हाउसफुल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए काफी तारीफ भी हासिल की। इस लगातार बदलते उद्योग में खुद को ढालने और बने रहने की उनकी क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है।

पुष्पा की शूटिंग जल्दी खत्म करना चाहते थे अल्लू अर्जुन

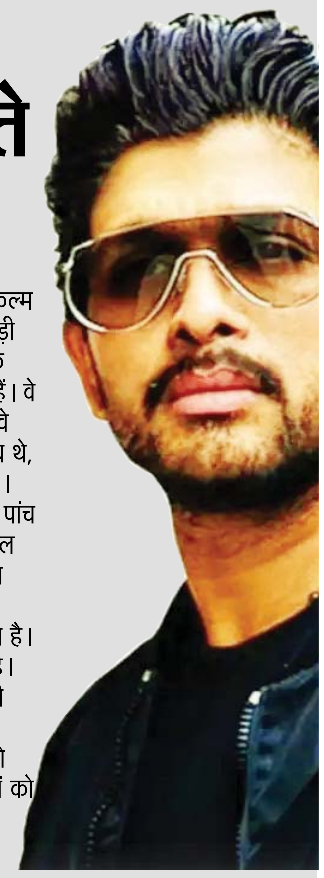

तेलुगू स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अपने काम के अनुभव को लेकर बात की। फिल्म पुष्पाः द राइज को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शूटिंग से जुड़ी कुछ खास बातें साझा की हैं। अल्लू अर्जुन ने बताया कि पिछले पांच साल से इस फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। वे जल्द से जल्द पुष्पा की शूटिंग खत्म करना चाहते थे। वे अपने किरदार के लिए अपनी दाढ़ी बढ़ाने के लिए बाध्य थे, इसलिए वे जल्दी शूटिंग खत्म कर उसे हटाना चाहते थे। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैंने इस फिल्म की शूटिंग लगभग पांच साल तक की, जिसमें पहला और दूसरा भाग भी शामिल है। मैं इस फिल्म के खत्म होने का इंतजार कर रहा था ताकि मैं क्लीन शेव कर सकूं। मेरी बेटी मेरे पास नहीं आती क्योंकि मैं उसे चूम नहीं सकता क्योंकि मेरी दाढ़ी है। मैंने पिछले तीन-चार सालों में उसे ठीक से चूमा नहीं है। अल्लू अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने पुष्पा की शूटिंग पूरी कर ली तो अगले दिन वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, अगले दिन जब शूटिंग पूरी हो गई, मैं शांत सा हो गया। ये मेरे लिए बहुत कठिन समय था। मैं जिन चेहरों को पिछले पांच साल से देख रहा था, उन्हें मैंने फिर देखा।

बुमराह महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे: ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह इस खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे और उन्होंने कहा कि वह बड़े गर्व से अपने पोते-पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत यह मैच 295 रन से जीतने में सफल रहा।

हेड ने कहा, 'जसप्रीत को शायद इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लग रहे हैं कि वह हमारे लिए कितना चुनौती पूर्ण हो सकता है। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है। जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने उनका सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना बुरा नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा लेकिन उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है।'

हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन मध्यक्रम के इस विस्फोटक बल्लेबाज को यकीन है कि उनके साथी टिप्स के लिए उनसे संपर्क नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित है कि वे मुझसे बल्लेबाजी के टिप्स नहीं लेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी का खेलने काअपना तरीका होता है।'

दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में उसी स्थान पर गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलेंगी जहां भारत 2020 में 36 रन पर आउट हो गया था। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा होगा।'

हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संघर्षरत बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेज़लवुड की एक टिप्पणी के बाद टीम के भीतर संभावित मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। उन्होंने कहा, 'हमें दोनों विभाग (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) से काफी उम्मीदें हैं और यह एक बहुत ही व्यक्तिगत खेल है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं और हम जानते हैं कि हमारे गेंदबाजों ने अतीत में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हमें कई बार परेशानियों से बाहर निकाला है।'

हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम प्रतिकूल परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपटी है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना किया है। पिछले कुछ वर्षों में कई टीम ने पहला टेस्ट मैच हारने के बाद अच्छी वापसी की और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।'

नोवाक जोकोविच ने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को कोच नियुक्त की वजह बताई

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं।

जोकोविच ने डेल पोत्रो के खिलाफ मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में स्पेनिश में कहा, 'जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है और ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।' जोकोविच 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने टेनिस इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में नंबर एक पर सबसे अधिक सप्ताह बिताए हैं।

मर्रे ने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब और दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीते। वह 2016 में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे। उन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास ले लिया था। मर्रे और जोकोविच दोनों 37 वर्ष के हैं और वे मई 1987 में एक सप्ताह के अंतर पर पैदा हुए थे। वे जूनियर वर्ग से एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ 36 मैच खेले जिनमें जोकोविच ने 25 और मर्रे ने 11 मैच में जीत दर्ज की।

मार्च में गोरान इवानिसेविच से अलग होने के बाद से पूर्णकालिक कोच के बिना खेल रहे जोकोविच ने कहा, 'वह मेरे खेल और जिन परिस्थितियों से मैं गुजरा हूं उन्हें अच्छी तरह से समझता है। वह जानता है कि मेरे खेल में क्या कमियां हैं।' अमेरिकी ओपन 2009 के चैंपियन डेल पोत्रो ने पार्के रोका, ब्यूनस आयर्स में खेला गया प्रदर्शनी मैच 6-4, 7-5 से जीता। जोकोविच ने कहा, 'हम अपने खेल के सबसे अहम मुकाबलों में एक-दूसरे के खिलाफ खेले, लेकिन अंत में हमारी दोस्ती प्रतिद्वंद्विता से अधिक महत्वपूर्ण थी।'

'वहीं उन्हें मारके आओ' : शोएब अख्तर का चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर जोरदार बयान

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विवाद के लंबे समय तक चलने से सहमत नहीं हैं। कथित तौर पर सभी पक्षों के बीच हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गई है हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी स्वीकृति देने के लिए कुछ मांगें रखी हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार रखने वाले पीसीबी ने पूरे टूर्नामेंट को पाकिस्तान में आयोजित करने पर जोर दिया था लेकिन आईसीसी के साथ हाल ही में हुई बैठक में उन्होंने अपना रुख नरम कर लिया है। हालांकि पीसीबी ने कथित तौर पर भारत में होने वाले सभी आईसीसी आयोजनों को भी हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने की मांग की है।

अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल से बात करते हुए राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग करने के पीसीबी के रुख से सहमति जताई क्योंकि टूर्नामेंट अब हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाएगा। लेकिन, अख्तर भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए भारत की यात्रा न करने के बोर्ड के रुख के खिलाफ हैं। अख्तर ने कहा, 'आपको मेजबानी के अधिकार और राजस्व के लिए भुगतान किया जा रहा है, और यह ठीक है-हम सभी इसे समझते हैं। पाकिस्तान का रुख भी उचित है। उन्हें एक मजबूत स्थिति बनाए रखनी चाहिए थी, क्यों नहीं? एक बार जब हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने में सक्षम हो जाते हैं और वे आने के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो उन्हें हमारे साथ उच्च दर पर राजस्व साझा करना चाहिए। यह एक अच्छा फैसला है।'

अख्तर का मानना है कि पीसीबी को भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए पाकिस्तान की टीम को भारत भेजना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी टीम को इस तरह से बनाना चाहिए कि पाकिस्तान भारत को उसके अपने घर में हरा सके। उन्होंने कहा, 'भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहां हराओ। भारत में खेलो और वहीं उन्हें मारके आओ। मैं समझता हूं कि हाइब्रिड मॉडल पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं।' चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर नए घटनाक्रम से पता चलता है कि भारत के मैच दुबई में होंगे जबकि सेमीफाइनल (यदि भारत आगे बढ़ता है) और फाइनल (यदि भारत आगे बढ़ता है) में से एक भी दुबई में आयोजित किया जाएगा।

स्टैंड से लगे 'मुंबई चा राजा' के नारे, रोहित ने प्रशंसक का 10 साल लंबा इंतजार किया खत्म

कैनबरा (एजेंसी)। रोहित शर्मा के एक उत्साही प्रशंसक ने मनुका ओवल में प्रवेश किया, कई बार उनका नाम पुकारा और फिर भारतीय कप्तान का ध्यान आकर्षित करने के लिए 'मुंबई चा राजा' (मुंबई का राजा) का नारा लगाया और फिर उनका ऑटोग्राफ लिया जिसका उसे 10 साल से इंतजार था। प्रशंसक की सारी मेहनत और रणनीति सार्थक साबित हुई क्योंकि मुस्कुराते हुए रोहित ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में भारत की आसान जीत के बाद उसका 'दशक पुराना' इंतजार खत्म करते हुए उसे ऑटोग्राफ दिया।

प्रशंसक ने स्टैंड से गुहार लगाते हुए कहा कि रोहित भाई प्लीज, 10 साल हो गए यार। रोहित भाई मुंबई चा राजा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर ध्यान दिया। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इस वीडियो को साझा किया- अंततः एक दशक पुराना इंतजार खत्म हुआ। एक प्रशंसक ने रोहित शर्मा का ऑटोग्राफ लेने के लिए 10 साल इंतजार किया और कल उसका भाग्यशाली दिन था।

बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में रोहित प्रशंसकों से बातचीत करते हुए तथा बल्ले और जर्सी पर ऑटोग्राफ देते हुए दिखाई दे रहे थे जब तक कि इस प्रशंसक ने स्टेडियम में मौजूद सभी का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच लिया। भारत ने अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हराया। खराब मौसम के कारण यह मुकाबला प्रति टीम 46 ओवर का हो गया था। रोहित ने मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की और सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट से बाहर रहने वाले रोहित शुक्रवार से एडीलेड में शुरू होने वाले दूसरे मैच में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। पर्थ में पहले मैच में मेजबान टीम को 295 रन से हराने के बाद भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे है। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की अगुआई की थी।

दिन–रात्रि टेस्ट मैच अप्रत्याशित हो सकता है, बस पूरी तरह से तैयार रहना होगा : स्मिथ

एडिलेड । भारतीय टीम ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच में दबदबे वाल प्रदर्शन किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ ने दिन–रात्रि के दूसरे टेस्ट मैच को अप्रत्याशित करार देते हुए कहा कि उनका 'ध्यान' गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले टेस्ट की चुनौतियों से निपटने पर है। पांच मैचों की श्रृंखला में पहला टेस्ट बड़े अंतर से गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया दबाव में है। श्रृंखला का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से यहां खेला जायेगा। स्मिथ ने कहा, 'गुलाबी गेंद से दिन या रात के अलग–अलग समय पर अलग तरह की चुनौती मिलती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां बल्लेबाजी कर रहे हैं। उस समय परिस्थितियां और गेंद की स्थिति के साथ अन्य चीजें कैसी हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे में पूरी तरह से तैयार रहना चाहता हूं। गुलाबी गेंद कई बार अप्रत्याशित हरकत करती है। ऐसे में पूरी तरह से एकाग्र रहने पर ध्यान देना होता है।' ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने की चुनौतियों पर बात की, लेकिन उनका मानना है कि खेल की मूल बातें वही रहेंगी। कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि सभी मूल बातें वास्तव में सामान्य टेस्ट की तरह ही होंगी। आप जानते हैं कि कभी–कभी खेल अलग–अलग गति से चलता है क्योंकि गेंद पुरानी और नरम हो जाती है लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है।'

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

–मध्यक्रम में उतर सकते हैं रोहित

एडीलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिसंबर से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कमान संभालेंगे। यहा टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा।

रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे।

रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाना शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी। अच्छी लय हासिल कर चुकी यशस्वी और राहुल की जोड़ी में अब बदलाव की संभावना को वह नहीं देखते। वहीं इससे पहले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल ही पारी की शुरुआत करें और रोहित मध्यक्रम पर उतरें। साथ ही कहा था कि सलामी जोड़ी में बदलाव से नुकसान हो सकता है।

शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है : पुजारा

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे दिन रात्रि टेस्ट मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि लाल और गुलाबी गेंद में अंतर होता और शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। पुजारा ने कहा, 'जिसने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेला है वह आपको बताएगा कि शाम के समय बल्लेबाजी करना सबसे मुश्किल होता है। उस समय रोशनी पूरी तरह से नहीं होती है, ना ही पूरा अंधेरा होता है उस समय स्टेडियम की लाइट जलाई जाती है और तब आपको थोड़ा कम दिखता है। उस समय बल्लेबाजों के लिए गुलाबी गेंद खेलना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।' उन्होंने, 'आपने देखा होगा कि लाल गेंद अधिक चमकती नहीं होती है। इसमें पेंट की कुछ अधिक लेयर होती हैं, जो जल्दी से नहीं जाती है। जब आप लाल गेंद का सामना कर रहे हो तो यह आम लेदर गेंद है जो जल्दी से पुरानी हो जाती है। जबकि गुलाबी गेंद में अधिक समय तक चमक बनी रहती है।' उन्होंने कहा, 'गुलाबी गेंद पर पेंट की अधिक लेयर होती हैं और जब यह पिच पर पड़ती है, सीम पर गिरती है या चमकीले हिस्से पर भी गिरती है तो इसमें थोड़ा अधिक जोखिम होता है। ऐसे समय में बल्लेबाज के तौर पर आपके पास कम समय होता है। आपके पास लाल गेंद खेलने जितना समय नहीं होता है और यही बड़ा अंतर है जिसमें ढलना होगा।'

अंडर-19 एशिया कप : भारत की जापान पर बड़ी जीत, 211 रनों से दी शिकस्त

शारजाह (एजेंसी)। कप्तान मोहम्मद अमान (नाबाद 122) की शतकीय, आयुष म्हात्रे (54) और केपी कार्तिकेय (57) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सोमवार को अंडर-10 एशिया कप के आठवें मुकाबले में जापान को 211 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत के दो मैचों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हो गये और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

340 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत धीमी रही। ह्युगो केली और निहार परमार की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में हार्दिक राज ने निहार परमार (14) को आउट भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान कोजी आबे (शून्य) को केपी कार्तिकेय ने बोल्ड कर भारत के लिए दूसरा विकेट झटका। काज़ुमा काटो-स्टैफ़ड (आठ) पर रनआउट हुए। 33वें ओवर में हार्दिक राज ने ह्युगो केली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। केली ने 111 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (50) रनों की पारी खेली।

इसके बाद चार्ल्स हिंजे को छोड़कर जापान का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। चार्ल्स हिंजे ने 68 गेंदों में (नाबाद 35) रन बनाये। तिमुती मूरे (एक), आदित्य फड़के (नौ) और केवाई लेक (एक) रन बनाकर आउट हुये। जापान की टीम निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 128 रन हीं बना सकी और 211 रनों से यह मुकाबला हार गई। भारत की ओर से चेतन शर्मा, हार्दिक राज और केपी कार्तिकेय ने दो-दो विकेट लिए। युद्धजीत गुहा को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। आठवें ओवर में चार्ल्स हिंजे ने वैभव सूर्यवंशी (23) को आउट कर जापान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में आर तिवारी ने आयुष म्हात्रे (50) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। आंद्रे सिद्धार्थ (37),निखिल कुमार (12), हरवंश पंगालिया (एक) रन बनाकर आउट हुए।

केपी कार्तिकेय ने 49 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से (57) रनों की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद अमान ने 118 गेंदों में सात चौके लगाते हुये (नाबाद 122) रन बनाये। हार्दिक राज ने 12 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 25) रनों की पारी खेली भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 339 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जापान की ओर से केवाई लेक और ह्युगो केली ने दो- दो विकेट लिये। चार्ल्स हिंजे और आर तिवारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मैं खेलने के लिए तैयार हूं : मार्श ने पिंक बॉल टेस्ट से पहले फिटनेस पर दिया अपडेट

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने अपनी चोट के बारे में चिंताओं को दूर करते हुए कहा कि वे भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए 'खेलने के लिए तैयार' हैं, जो 6 दिसंबर से यहां शुरू हो रहा है। 33 वर्षीय मार्श को शुरुआती टेस्ट में 19.3 ओवर गेंदबाजी करने के बाद असहजता महसूस हुई थी जिसे ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में 295 रनों से गंवा दिया था। मार्श ने एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले अपनी फिटनेस की पुष्टि की है। ऑस्ट्रेलिया ने मार्श की फिटनेस पर संदेह के कारण तस्मानिया के अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को टीम में शामिल किया था। हालांकि मार्श ने आश्वासन दिया है कि वे चुनौती के लिए तैयार हैं। किसी भी फिटनेस संबंधी चिंता के बारे में पूछे जाने पर मार्श ने कहा, 'शरीर पूरी तरह से ठीक है, हां। नहीं, नहीं, मैं खेलने के लिए तैयार हूं।' सोमवार को एडिलेड पहुंचने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं वहां रहूंगा।' यह खबर ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ी राहत की खबर है, जो सीनियर पेसर जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से भी जूझ रहा है, जो साइड स्ट्रेन के कारण पिंक बॉल टेस्ट से बाहर हो गए थे। हेजलवुड की अनुपस्थिति में स्कॉट बोलैंड पेस अटैक में मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के साथ शामिल हो सकते हैं। बार–बार टखने की चोट से जूझ रहे मार्श ने भी सर्जरी करवाई है जिसके कारण उन्हें 2022–23 की गर्मियों के कुछ हिस्सों से बाहर होना पड़ा। जबकि उनका गेंदबाजी कार्यभार सीमित रहा है, उनकी प्राथमिक भूमिका एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में रही है। पिछले साल एशेज में यादगार शतक के बाद टेस्ट टीम में वापसी करने के बाद से मार्श ने 11 मैचों में 44.61 की औसत से 803 रन बनाए हैं। पर्थ में उन्होंने 67 गेंदों पर 47 रन बनाए, जो शुरुआती टेस्ट में ट्रैविस हेड (89) के अलावा संघर्ष करने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा। वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है। अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

मुंबई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंध्न वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरु होने वाले दिन–रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगूठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में पहले टेस्ट की विजेता टीम से दो लोगों को बाहर रखन होगा।

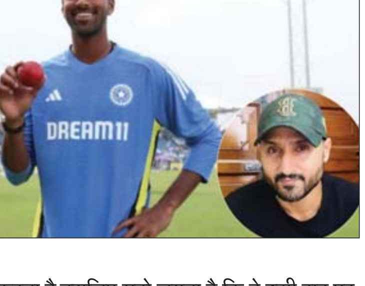

अगले ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत महत्वपूर्ण : रानी रामपाल

रोहतक (एजेंसी) पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह लॉस एंजिल्स में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों के लिए उसकी तैयारी की शुरुआत है। भारतीय महिला हॉकी टीम इस पूरे साल संघर्ष करती रही और वह पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। भारतीय टीम हालांकि हाल में अपना तीसरा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में सफल रही।

रानी ने पीटीआई से कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम के लिए तैयारी के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। इससे उसने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी की शुरुआत कर दी है। यह अच्छी शुरुआत है। कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।'' इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने हॉकी से संन्यास ले लिया था। इससे पहले उन्हें भारत की सब जूनियर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके मुद्दों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा, ''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी सफलता हासिल कर सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने की कोशिश की।''

यह पूर्व स्ट्राइकर आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में काम करेंगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा, ''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने की पूरी कोशिश करूंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा: 250 की मौत

अलेप्पो में एयरपोर्ट-अस्पताल बंद ; सरकार की मदद के लिए पहुंची रूसी सेना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। ॥ञ्जस्ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

रूस ने सहायता भेजी, ईरान भी कर सकता मदद : रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति असद के 3 सबसे बड़े सहयोगी ईरान, हिजबुल्लाह और रूस घरेलू मामले में उलझे हैं। रूस, यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, वहीं, ईरान और हिजबुल्लाह का इजराइल के साथ विवाद चल रहा है। इन तीनों ने असद सरकार को गृह युद्ध से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। सीरिया, ईरान के लिए जरूरी है, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास तक हथियार पहुंचाने के लिए ईरान, सीरिया का इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्द ही ईरान, सीरिया को हथियार मुहैया करा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान समर्थक इराकी मिलिशिया सीरिया जा सकते हैं। इन मिलिशिया में कताइब हिजबुल्लाह, असाइब अहल अल हक, हरकत अल नुजबाह शामिल हैं। सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस्ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

सीरिया के गृहयुद्ध में तबाह हो गया अलेप्पो शहर : 1986 में यूनेस्को से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था। सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गईं।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन के लिए सड़कों पर कट्टरपंथी:जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। इन रैलियों में कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम, खिलाफत मजलिस और इस्लामिक आंदोलन सहित कई धार्मिक-आधारित संगठनों और राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। हिफाजत ने कहा कि देश की पराजित ताकतें हिंदुओं का इस्तेमाल अराजकता फैलाने के लिए कर रही हैं। पिछले मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में जिस तरह से वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या की गई, वह गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश थी। वहीं, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए इस्कॉन ने कोलकाता में विरोध कीर्तन आयोजित किया। इस्कॉन ने घोषणा की है कि रविवार को दुनिया भर के सभी इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बांग्लादेश में हिंदू भक्तों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। मौजूदा सरकार को मुश्किल में डालने की कोशिश में एक स्थानीय और विदेशी समूह बहुत सक्रिय है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी आंतरिक सद्भावना और शांति व्यवस्था किसी भी तरह से नष्ट न हो। खालिद हुसैन ने ये भी कहा कि वकील की हत्या में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चटगांव में 26 नवंबर को चिन्मय प्रभु के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। मारे गए वकील का नाम सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ (35) था।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी- बांग्लादेश के बीच करोड़ों की डील, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश और जर्मनी के बीच 180 मिलियन यूरो (190.8 डॉलर) से अधिक के दो वित्तीय और तकनीकी समझौते हुए हैं। जिसका लक्ष्य विकास कार्यों में सहयोग करना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव मोहम्मद शहरियार कादर सिद्दीकी और बांग्लादेश में जर्मनी के राजदूत अचिम ट्रॉस्टर ने अपने-अपने पक्षों की ओर से समझौतों पर हस्ताक्षर किए। कुल राशि में से 45.8 मिलियन यूरो का उपयोग तकनीकी सहयोग के लिए तथा 135 मिलियन यूरो का उपयोग वित्तीय मामलों में सहयोग के लिए किया जाएगा। समझौते के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, सतत शहरी विकास, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, सामाजिक और पर्यावरणीय आपूर्ति श्रृंखला, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू हिंसा से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मिल कर काम किया जाएगा।

उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे लगभग 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे : जेसीएस

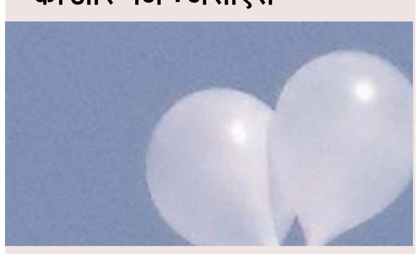

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टियां, बनाए गए नौकरी जैसे नियम

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम ऐसा पहला देश है जिसने सेक्स वर्कर्स को भी सामान्य नौकरी पेशा लोगों की तरह सुविधाएं देने के लिए कानून बना दिया है। बेल्जियम के नए कानून के तहत सेक्स वर्कर्स भी अनुबंध के तहत कार्य करेंगी जिसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, सिक लीव और मैटरनिटी लीव जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यानी इसे नौकरी की तरह मान्यता दी जाएगी। 2022 में ही बेल्जियम ने इस पेशे को क्राइम कैटिगरी से बाहर कर दिया था। बेल्जियम के अलावा पेरू और तुर्की में भी इस पेशे को वैध करार दिया गया है। इससे पहले बार, इरोटिक मसाज पार्लर और अन्य जगहों पर अवैध तरीके से ही सेक्स वर्कर्स को काम करना पड़ता था। इसके बदले उन्हें कैश में रुपये मिलते थे। यह शोषण का एक खुला हुआ दरवाजा था। इस नए कानून में कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स की भर्ती करते वक्त उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को सम्मान दिलवाना भी रिक्रूटर की जिम्मेदारी है। कई संगठनों ने इस नए कानून की आलोचना भी की है। उनका कहना है कि इस तरह से वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग भी तेज हो जाएगी। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि यह समाज की सच्चाई है कि यहां सेक्स वर्कर होते हैं। यह खुला हो या फिर छिपा हुआ। ऐसे में सेक्स वर्कर्स को भी सम्मान और सुरक्षा का जीवन जीने का अधिकार है। सेक्स वर्कर्स का मानना है कि कई बार उन्हें इच्छा के खिलाफ भी शोषण का शिकार होना पड़ता है। अगर कानून उनके पक्ष में हो तो वे आसानी से विरोध कर सकती हैं। इसके अलावा अगर काम देने वाला शख्स भी बुरा बर्ताव करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि कोरोना महामारी के वक्त काम की कमी की वजह से सेक्स वर्कर्स सड़कों पर उतर चुके थे। इसके बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए और सरकार ने इसे वैध घोषित कर दिया।

वेटिकन में विश्व धर्म संसद की शुरुआत, सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि होते हैं सम्मिलित

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन में शिवगिरि मठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरधार्मिक सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 100 साल पहले अलुवा में श्री नारायणगुरु की ओर से आयोजित अंतरधार्मिक सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहा है. सर्वधर्म सम्मेलन एवं विश्व धर्म संसद आज शाम 7 बजे स्नेह संगम के साथ प्रारंभ हुई. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भावना फैलाना है. विश्व धर्म संसद 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. पोप फ्रांसिस कल (30 नवंबर) महासभा में एक उपदेश देंगे. सम्मेलन में विभिन्न देशों के 100 प्रतिनिधि, भारत के जन प्रतिनिधि और भिक्षु भाग लेंगे. सच्चिदानंद स्वामी, मठ के महासचिव स्वामी सुभंगानंद, पूर्व महासचिव स्वामी ऋतंबरानंद, पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी विशालानंद, गुरु धर्म प्रचार सभा के सचिव स्वामी असंगानंदगिरि, स्वामी हंसतीर्थ, अलुवा अद्वैत आश्रम के सचिव स्वामी धर्मचैतन्य और स्वामिनी आर्यानंद देवी शिवगिरि मठ के सदस्य हैं. सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करना और भाग लेना. सच्चिदानंद स्वामी की ओर से तैयार की गई पुस्तक सर्वमाता सम्मेलनम का इतालवी अनुवाद और गुरु एंड वर्ल्ड पीस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया जाएगा।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास समेत इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खाते फ्रीज

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और जेल में डाले जाने पर दुनिया भर के हिंदुओं से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने कथित तौर पर देश के बैंकों को बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

ढाका में स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस्कॉन बांग्लादेश से जुड़े 17 व्यक्तियों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसमें जेल में बंद इसके नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी भी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि देश के कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों को खातों से एक महीने के लिए सभी लेन-देन को निलंबित करने का सरकारी निर्देश भेजा गया है। दास को सोमवार को ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था और एक दिन बाद जेल भेज दिया गया था। दास के अलावा बांग्लादेश सरकार द्वारा निशाना बनाए गए अन्य 16 हिंदुओं में कार्तिक चंद्र डे, अनिक पाल, सरोज रॉय, सुशांत दास, विश्व कुमार सिंघा, चंदिदास बाला, जयदेव करमाकर, लिपि रानी करमाकर, सुधामा गौर दास, लक्ष्मण कांति दास, प्रियतोष दास, रूपन

दास, रूपन कुमार धर, आशीष पुरोहित, जगदीश चंद्र अधिकारी और साजल दास शामिल हैं। बांग्लादेश के एक प्रमुख बंगाली अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफआईयू के पत्र में कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम-2012 की धारा 23(1)(सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस्कॉन और उसके संबंधित पक्षों तथा उनके स्वामित्व वाली संस्थाओं के नाम पर रखे गए खातों (आयात और निर्यात कंपनियों के खातों को छोड़कर) के लेनदेन को 30 दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, बीएफआईयू ने सभी खातों की लेखा संबंधी जानकारी, जैसे खाता खोलने का फॉर्म, केवाईसी फॉर्म, अप-टू-डेट लेन-देन विवरण आदि, अगले तीन कार्य दिनों के अंदर भेजने को कहा है।

सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास पर पिछले महीने चटगांव में भगवा झंडा फहराने के लिए देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। देश में बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने के बाद दास को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इसी समय, न्यायालय भवन में हिंसा भड़क उठी, जिसके कारण 32 वर्षीय अधिवक्ता सैफुल इस्लाम अलिफ की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश में कट्टरपंथी अब दास के समर्थकों को अधिवक्ता की मृत्यु के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि इस्कॉन और अन्य हिंदू संगठनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय परिसर में उस दिन हुए उपद्रव में कोई हिंदू शामिल नहीं था।

चीनी पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा

जापानी राजदूत से मिलते समय हिरासत में लिए गए थे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी पत्रकार डोंग युयु चीन की सरकारी मीडिया में भी काम कर चुके थे। डोंग के परिजनों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग युयु 62 साल के हैं और उन्हें दो साल पहले साल 2022 में फरवरी माह में जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था, तब से वह जेल में ही हैं। जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था उस समय वह गुआंगमिंग डेली में काम करते थे। एक रेस्तरां में जापानी राजनयिक से मिलते वक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि वे उस रेस्तरा में अक्सर अपने विदेशी मित्रों से मिलते रहते थे। पत्रकार के परिजनों ने बताया कि बीजिंग नंबर 2 इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने जब यह फैसला सुनाया उस वक्त सभी को अदालत से बाहर कर दिया गया था। इतना ही नहीं फैसले की प्रति भी न तो उन्हें और न ही डोंग के वकील को साझा की गई। इसके अलावा, अदालत की वेबसाइट पर भी फैसले को नहीं शेयर किया गया है। डोंग के परिवारीजनों ने यह भी बताया कि फैसले में

तत्कालीन जापानी राजदूत हिदेओ तारुमी और शंघाई स्थित मुख्य राजनयिक मासारू ओकाडा को जासूसी संगठन से संबंधित एजेंट बताया गया है।

कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध लेख लिखते रहे हैं डोंग युयु : बता दें कि डोंग गुआंगमिंग डेली के संपादकीय विभाग के काम करते थे। इस अखबार को एक समय में अन्य सरकार समर्थित अखबारों की तुलना में अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के चीनी संस्करण में भी काम किया था। अपने लेखों में डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र और राजनीतिक सुधार के लिए अपना समर्थन जताया था। हालांकि बाद में इन लेखों को कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध माना गया। वहीं, चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने डोंग की सज़ा की निंदा की। उन्होंने कहा कि डोंग को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए दंडित करना अन्यायपूर्ण है।

वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर रोक लगाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने एक निर्णय में कहा कि वजन कम करने वाली दवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए वह इनके रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के अनुसार वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाने का यह निर्णय सोमवार से प्रभावी होगा, जिसमें दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। डेनमार्क स्थित नोवो नॉर्डिस्क द्वारा विकसित की गई वेगोवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह कदम ऐसी दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार 2025 की पहली छमाही के भीतर ऐसी दवाओं के संबंध में टेलीमेडिसिन परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की भी योजना बना रही है। दक्षिण कोरिया ने सामान्य अस्पतालों में प्रशिक्षु डॉक्टरों की चल रही हड़ताल के बीच अस्थायी रूप से टेलीमेडिसिन परामर्श की अनुमति दी है। यह हड़ताल फरवरी से शुरू हुई थी। वेगोवी को दक्षिण कोरिया में 15 नवंबर को लॉन्च किया गया था। यह एक वजन घटाने वाली दवा है, जो मोटापे का इलाज कर सकती है और इसने चमत्कारी वजन घटाने वाली दवा के रूप में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। स्वास्थ्य

मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा संस्थानों को इस दवा को इस तरह से बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जिससे मरीजों को यह विश्वास हो जाए कि इसे सामान्य वजन घटाने के लिए आसानी से दिया जा सकता है, तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवा लिखते समय दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौजूदा नियमों के अनुसार, वेगोवी को केवल 30 या उससे ज्यादा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को ही दिया जाना चाहिए। 27 से 30 के बीच बीएमआई वाले वयस्क जिन्हें उच्च रक्तचाप या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं हैं, उन्हें भी यह दवा दी जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की स्वीकृति शर्तों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया है।

चीन के हुनान प्रांत में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत 83 अरब डॉलर

हुनान , एजेंसी। चीन के हुनान प्रांत में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार खोजा गया है। इस भंडार का आकार करीब 1,000 मीट्रिक टन है और इसकी अनुमानित कीमत 83 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह खदान दक्षिण अफ्रीका की साउथ डीप खदान से भी बड़ी है, जहां 900 मीट्रिक टन स्वर्ण अयस्क है।

पिंगजियांग काउंटी में खजाना : यह भंडार हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में पाया गया है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, वहां दो किलोमीटर की गहराई पर 40 स्वर्ण शिराओं का पता चला है। इन शिराओं में स्वर्ण अयस्क जमा है और कई ड्रिलिंग के बाद चट्टानों के कोर में सोना पाया गया। 3डी मॉडलिंग से यह भी पता चला है कि खदान की गहराई में 3 किमी तक और स्वर्ण अयस्क हो सकते हैं।

स्वर्ण अयस्क से सोने की संभावना : हर मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना निकाला जा सकता है। इससे चीन के सोने के कारोबार को बड़े फायदे की उम्मीद है। यह खोज चीन को वैश्विक स्वर्ण कारोबार में और मजबूत कर सकती है।

सोने के कारोबार में चीन की बढ़ती ताकत : चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, चीन दुनिया के कुल स्वर्ण उत्पादन का 10त्न करता है। इस साल की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास 2,000 टन से ज्यादा सोना है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार वाले देशों में शामिल करता है।

इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

स्वर्ण अयस्क बनने की प्रक्रिया : स्वर्ण अयस्क कई भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के तहत बनता है, जो लाखों सालों में पूरी होती है। इसमें गर्म और खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की अंदरूनी दरारों में घूमते रहते हैं। इन तरल पदार्थों में आसपास की चट्टानों का सोना घुलता है, जब तापमान में बदलाव होता है, तो ये तरल पदार्थ जम जाते हैं और इनकी सतह पर स्वर्ण अयस्क जमा हो जाता है।

चीन की स्वर्ण शक्ति : इस खोज से चीन को न केवल सोने के भंडार में वृद्धि होगी, बल्कि इसकी आर्थिक ताकत भी और बढ़ेगी, जिससे वैश्विक बाजार में चीन का दबदबा और मजबूत होगा।

फेंगल तूफान से हुई बारिश से हुआ भूस्खलन, 40 टन वजनी चट्टान घरों पर गिरी,

–सात लोग मलबे में फंसे होने की आशंका, एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू में जुटी

तिरुवन्नामलाई। फेंगल तूफान के चलते सोमवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र में भारी बारिश हो रही है। फेंगल तूफान 30 नवंबर को पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया था। तूफान अब केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पहुंच गया है। तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। एनडीआरएफ के मुताबिक करीब 40 टन वजनी चट्टान पहाड़ से लुढ़ककर वीयूसी नगर की सड़क पर बने घरों पर गिरी जिससे 2 घर जमींदोज हो गए। सात लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कई लोग लापता हैं। टीम हाईड्रोलिक लिफ्ट से चट्टान हटाने की कोशिश कर रही है। तूफान फेंगल रविवार को कमजोर पड़ गया था। इसके असर से हुई मूसलाधार बारिश से 3 लोगों की मौत हो गई थी। पुड्?डुचेरी जिले में 24 घंटे में 49 सेमी बारिश हुई। यह 20 साल की सबसे ज्यादा बारिश है। शहरी इलाकों में पानी भरने से सेना को बुलाया गया। सेना ने 200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एक हजार लोगों को राहत शिविरों में भी पहुंचाया गया है। प्रशासन इस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग देख पुलिस को हुआ शक, चेक किया तो रह गई हैरान

–बैग में चांदी की सिल्लियां और दूसरे बैग में 375000 रुपए कैश मिला

चंदौली। दिल्ली–हावड़ा रेल रूट के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (चंदौली) की जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए चांदी तस्करों के गिरोह को दबोचा है। ये गिरोह अवैध रुप से चांदी की खेप लेकर वाराणसी से पश्चिम बंगाल जा रहा था। पुलिस ने पकड़े गए युवकों के पास से एक क्विंटल से ज्यादा चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं। साथ ही साथ तीन लाख 75 हजार की नगदी भी बरामद की है। जीआरपी के मुताबिक बरामद की गई चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। पुलिस ने इस मामले में इनकम टैक्स और जीएसटी की टीम को भी सूचित किया है और मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की जीआरपी और आरपीएफ की टीम स्टेशन पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान इन तीन युवक जिनके पास ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग मौजूद थे। शक के आधार पर जब उनके सामानों की तलाशी ली गई तो जीआरपी और आरपीएफ के जवान हैरान रह गए। सभी बैग में चांदी की सिल्लियां भरी थीं। साथ ही साथ एक बैग में 375000 रुपए कैश भी था। पुलिस ने जब उनसे चांदी और कैश के बारे में पूछताछ की तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनके पास किसी भी तरह के कोई कागजात नहीं मिले हैं। पुलिस ने तीनों युवको को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि चांदी की इस खेप को वह बनारस से पश्चिम बंगाल ले जा रहे थे। जीआरपी का कहना है कि इन युवकों ने इससे पहले भी चांदी की तस्करी की थी। अब जीआरपी और आरपीएफ के साथ–साथ जीएसटी और इनकम टैक्स की टीम इनसे पूछताछ कर रही है।

यूपी के जालौन में भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

जालौन। यूपी के जालौन जिले में पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक अभियान चलाकर नकली डीएपी खाद बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में नकली डीएपी बरामद की है। यह कार्रवाई जिले के नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार में चल रहे नकली डीएपी निर्माण मामले में की। जालौन एसपी के मुताबिक यह अभियान जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभाग और स्थानीय पुलिस ने चलाया। अधिकारियों को नदी गांव स्थित एक गोदाम में नकली डीएपी के उत्पादन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वहां छापा मारा गया। छापेमारी में अधिकारियों ने गोदाम से 224 बैग नकली डीएपी, एक ट्रक में 616 बैग और एक पिकअप से 57 बैग नकली डीएपी बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, खाली डीएपी बैग, सिलाई मशीन और अन्य संबंधित उपकरण भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान आदित्य राठौर, गोविंद तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, अनुराग याग्निक और विकास चतुर्वेदी के रूप में की है। ये आरोपी इफको डीएपी के नाम से नकली खाद पैकिंग कर रहे थे और इसे जालौन के अलावा पड़ोसी जिलों और मध्यप्रदेश में भी बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में जांच जारी है।

छत्तीसगढ़–तेलंगाना सीमा पर मुठभेड़, सात नक्सली ढेर, एके–47 सहित कई हथियार बरामद

हैदराबाद । नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में सात खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। एसपी मुलुगु डॉ. शबरीश ने जानकारी देते हुए बताया कि एतुरुनगरम वन क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा कि तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल विरोधी बल और उग्रवादियों द्वारा ग्रेहाउंड्स के बीच इटुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। घटनास्थल से जब्त किए गए हथियारों में दो एके 47 राइफलें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए लोगों में से एक की पहचान प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंदु नरसंपेट) के सचिव कुरसम मंगू उर्फ ??भद्रू के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। मारे गए चरमपंथियों में शीर्ष माओवादी नेता बदरू के भी शामिल होने का संदेह है। बदरू सीपीआई (माओवादी) की येलंडु–नरसंपेटा एरिया कमेटी का सचिव और प्रतिबंधित संगठन की तेलंगाना राज्य कमेटी का सदस्य था।

कम से कम भागवत की ही सलाह का कर लें सम्मान

–आखिर क्यों दिया खड़गे ने आरएसएस प्रमुख का हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा की टॉप लीडरशिप को विभाजनकारी रणनीति अपनाने वाली बता देशभर में मस्जिदों और दरगाहों के सर्वेक्षण कराने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इस बीच कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का विरोध कर रहे हैं और इसका विरोध करना जारी रखा जाएगा। उन्होंने भाजपा से संघ प्रमुख के 2022 के बयान का जिक्र करते हुए भाजपा के टॉप लीडर्स से उसे मानने की बात कही।

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के टॉप लीडर्स से मोहन भागवत के 2022 के उस बयान पर ध्यान देने को कहा, जिसमें आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि हमारा उद्देश्य राम मंदिर का निर्माण करना था और हमें हर मस्जिद के नीचे शिवालय नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम 1991 का भी हवाला दिया, जिसे धार्मिक स्थलों की 1947 जैसी स्थिति बनाए रखने के लिए खासतौर पर बनाया गया था। खड़गे की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। संभल की जामा मस्जिद में सर्वे

को लेकर हुई हिंसा के बाद पूरे देश में तनाव की स्थिति बनने लगी थी, जिसे लेकर विपक्ष एक बार फिर भाजपा लीडरशिप के खिलाफ लामबंद होती दिखी है।

यहां दिल्ली में आयोजित एक रैली के दौरान खड़गे ने कहा, कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन वे किसी को भी सेफ नहीं रहने दे रहे हैं। आप एकता की बात जरुर करते हैं, लेकिन आपके कार्य इसे धोखा देने जैसे हैं। खड़गे ने कहा कि आपके नेता मोहन भागवत ने तो कहा है कि अब जबकि राम मंदिर बन गया है, तो और अधिक पूजा स्थलों का सर्वे करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप उनके शब्दों का सम्मान करते हैं, तो और कलह क्यों पैदा कर रहे हैं? खड़गे ने बीजेपी से पूछा कि क्या वह लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार और चार मीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त कर देंगे, जो मुसलमानों ने बनवाई थीं।

गौरतलब है कि नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग, तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ज्ञानवापी विवाद को लेकर अपनी एक प्रतिक्रिया में कहा था कि इतिहास वो है जिसे हम बदल नहीं सकते। इस इतिहास को न आज के हिंदुओं ने बनाया और न ही आज के मुसलमानों ने ही इसे बनाया है, यह उस समय घटा.... अब हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि अब हमको कोई आंदोलन नहीं करना है। हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए। अब झगड़े क्यों बढ़ाएं? इसे याद करते हुए खड़गे भाजपा नेताओं को सीख दे रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसा : भारत के पर्यटक पर भीड़ ने किया हमला

– अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की कर रहे मांग

कोलकाता । पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खासतौर पर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हमलों की एक और घटना सामने आई है, जिसमें एक भारतीय पर्यटक भी शिकार हो गए। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बेलघोरिया के निवासी एक पर्यटक ने बताया कि बांग्लादेश में घूमने के दौरान उन पर एक ?हिंसक भीड़ ने हमला किया। उन्हें पहचान के आधार पर हमला किया गया, जब पता चला कि वे भारत से हैं और हिंदू हैं। गहरी चोटें खाकर भारत लौटने की कोशिश करते हुए भारतीय पर्यटक की हालत बहुत खराब हो गई। उन्होंने एंबुलेंस को बुलाया, लेकिन पुलिस ने पहचान पूछी, जिससे मेडिकल सहायता में देरी हुई। बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा को रोकने का आश्वासन दिया है, लेकिन वास्तविकता में कार्रवाई की ज़रूरत है। भारत सरकार से भी बड़े स्तर पर इस मामले में कदम उठाने की मांग है, ताकि इस त्रासदी को रोका जा सके और बांग्लादेश के लोगों को सुरक्षित रहने में मदद मिले।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने दी सजा, स्वर्ण मंदिर में सेवा का आदेश

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने धार्मिक दुराचार का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर और अन्य पवित्र स्थलों में शौचालयों की सफाई, लंगर हॉल में बर्तन धोने और शबद कीर्तन में सेवा करनी होगी। यह निर्णय 2015 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को माफी दिलाने के मामले में सुखबीर बादल और उनकी सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों की भूमिका को लेकर लिया गया है।

जानकारी अनुसार 2015 में अकाली सरकार के दौरान गुरमीत राम रहीम को धार्मिक मामले में दी गई माफी को लेकर सिख पंथ में गहरी नाराजगी पैदा हो गई थी। यह विवाद तब और बढ़ गया था जबकि डेरा प्रमुख ने गुरु गोबिंद सिंह जी की वेशभूषा का अनुकरण करते हुए अमृत छकाने का स्वांग रचा था। इसके खिलाफ सिख समुदाय ने विरोध जताया था और राम रहीम को अकाल तख्त ने सिख पंथ से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अकाली सरकार ने राम रहीम को माफी दिलाई, जिससे पंथ के प्रति गुस्सा और बढ़ गया।

बादल ने गलतियों को स्वीकारा

अकाल तख्त में पेशी के दौरान सुखबीर बादल ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, कि हमसे कई भूलें हुईं। हमारी सरकार के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं और दोषियों को सजा दिलाने में हम नाकाम रहे।

सजा का आदेश

अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने निर्णय सुनाते हुए कहा, सुखबीर बादल 3 दिसंबर से स्वर्ण मंदिर में दोपहर 12 से 1 बजे तक शौचालय साफ करेंगे। 1 घंटे तक लंगर हॉल में बर्तन धोएंगे। इसके बाद 1 घंटे तक शबद कीर्तन करेंगे। अगले चरण में वह केसगढ़ साहिब, दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब और फतेहगढ़ साहिब में भी सेवा करेंगे।

इसके साथ ही अकाल तख्त ने अकाली दल को 6 महीने में नया अध्यक्ष चुनने का निर्देश दिया है। सुखबीर बादल की यह सजा सिख समुदाय में धार्मिक अनुशासन को मजबूत करने के कदम के रूप में देखी जा रही है, लेकिन इसका राजनीतिक असर भी व्यापक हो सकता है।

किसानों की खुशहाली के बिना भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता : कुलतार सिंह संधवां

चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान परिषद, संयुक्त किसान मोर्चा समेत कई अन्य संगठन एक बार फिर से अपनी पांच मांगों को लेकर 'दिल्ली कूच' पर अड़े हुए हैं। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम किए हैं। इसी बीच किसानों के प्रदर्शन को लेकर पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां का बयान सामने आया है।

कुलतार सिंह संधवां ने कहा, 'किसान हमारे देश को संकट से बाहर निकालने का काम करते हैं। किसानों के बच्चों ने ही देश को आजादी दिलाई। देश के अन्ने भंडारों को किसानों के बच्चोंा ने भरा। देश की रक्षा भी किसान के बच्चे करते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो लोग देश को विश्व गुरु बनाना चाहते हैं, वह किसानों की खुशहाली के बिना अपना यह सपना पूरा नहीं कर सकते। अगर देश को विश्व गुरु बनाना है तो किसानों की मांगों को पूरा करना होगा। अगर किसान खुशहाल होगा, तभी देश खुशहाल होगा। किसान की खुशहाली से ही देश की खुशहाली का रास्ताख निकलेगा।'

उन्होंखने कहा कि मैं केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि वह किसानो की मांगों पर विचार करें और उसे जल्दम से जल्दर हल करने की दिशा में काम करें। भाजपा की तरफ से शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के उद्घाटन पर संधवा ने कहा कि अगर भाजपा के लोग इतना सम्मान करते हैं तो क्यों नहीं वो शहीद भगत सिंह को रिकॉर्ड पर शहीद लिखवाते हैं? उसकी नोटिफिकेशन जारी करें। बातों में नहीं एक्शन में भगत सिंह के प्रति सम्मान दिखाई देना चाहिए। किसान को इग्नोर कर रहे हैं और भगत सिंह के सम्मान की बात कर रहे हैं।

वहीं, विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें इतना अच्छो संविधान दिया है, जो हमें अपने अधिकार वोट के माध्यंम से हमें अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का मौका देता है। उपचुनाव के बाद आज हमारे 3 विधायकों को कानूनी तौर पर काम करने का अधिकार मिल चुका है। हम सभी को बधाई देते हैं। मैं उम्मी3द करता हूं कि हमारे सभी विधायक लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हम जमानत देते हैं, अगले दिन आप मंत्री बन जाते हैं, सेंथिल बालाजी केस में सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के तुरंत बाद तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में बहाल किए जाने पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ इस बात की जांच करने पर सहमत हुई कि क्या एक मंत्री के रूप में उनकी भूमिका गवाहों पर दबाव डालेगी जब उनके खिलाफ गवाही देने की बात आएगी। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बालाजी को इस आधार पर जमानत देने के 26 सितंबर, 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी कि उनकी बहाली से गवाह दबाव में आ जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस आधार पर जमानत दे दी थी कि मुकदमा जल्द शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। तीन दिन बाद 29 सितंबर को

बालाजी को एक बार फिर राज्य सरकार में मंत्री बनाया गया।

न्यायमूर्ति ओका ने पूछा कि हम जमानत दे देते हैं और अगले दिन आप जाकर मंत्री बन जाते हैं? कोई भी यह मानने को बाध्य होगा कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में आपकी स्थिति के कारण अब गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है? अदालत ने कहा कि वह जमानत देने वाले पूरे फैसले को वापस नहीं लेगी लेकिन गवाहों के दबाव में आने की आशंका की जांच करेगी। आशंका यह है कि विधेय अपराधों में दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, गवाह कैबिनेट मंत्री का पद संभाल रहे दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ गवाही देने की मानसिक स्थिति में नहीं हो सकते हैं।

अदालत ने कहा कि यह एकमात्र पहलू है प्रथम दृष्टया हम आवेदन पर विचार करने के इच्छुक हैं। बालाजी के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर, 2024 तय की। द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में पिछले साल जून में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह तब तमिलनाडु में बिजली, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में कार्यरत थे।

ईवीएम हैक मामले में चुनाव आयोग ने दर्ज करवाया एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम का मुद्दा गर्माया हुआ है। सैयद शुजा नाम के शख्स ने दावा किया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने सैयद शुजा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत पर मुंबई साइबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने 30 नवंबर को सैयद शुजा के खिलाफ भारतीय न्याय और आईटी संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की है। दरअसल शुजा ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लंदन से हैक किया जा सकता है। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके बाद उनकी शिकायत के आधार पर दक्षिण मुंबई साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

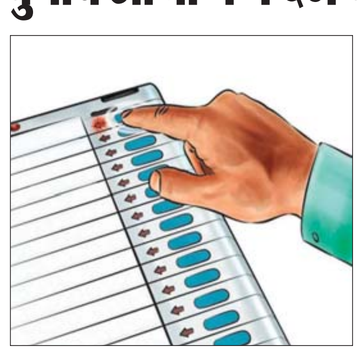

कौन हैं सैयद शुजा ?

2019 में सैयद शुजा का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि 2014 में लोकसभा चुनाव में ईवीएम हैक कर ली गई थी। शुजा ने कहा कि बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे का कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी हत्या की गई है। शुजा ने दावा किया था कि गौरी लंकेश और गोपीनाथ मुंडे की मौत का कारण भी ईवीएम से जुड़ा है। हालाँकि, शुजा ने कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया था। शुजा एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता हैं। वह मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं। फिलहाल वह एक अमेरिकी कंपनी में काम करते हैं। शुजा का दावा है कि ईवीएम भारत में बनी है। उनका दावा है कि उन्होंने मशीन बनाने वाली टीम में हिस्सा लिया था। साथ ही उनके दावे के मुताबिक, उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड में भी काम किया है। शुजा का दावा है कि 2014 में उनकी टीम पर ईवीएम हैक करने का दबाव था। हैदराबाद में उनकी टीम पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में कई साथियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दावा किया गया कि उनकी मौत दंगे में हुई।

महबूबा मुफ्ती देशद्रोह की बातें करती हैं : विश्वास सारंग

भोपाल(एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से अपने देश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अब कोई अंतर नहीं रह गया है। महबूबा के इसी बयान पर अब विश्वास सारंग ने पलटवार करते हुए कहा, 'महबूबा मुफ्ती हर समय देशद्रोह की बातें ही करती हैं। इस देश में मुस्लिम समाज पूरी तरह से अपने अधिकार के साथ रहता है। हिंदुस्तान में इतने मुस्लिम रहते हैं, जितना की इंडोनेशिया को छोड़कर दुनिया के किसी भी मुस्लिम देश में नहीं रहते होंगे।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो शर्मनाक है।

इस तरह की स्थिति को कहीं पर भी सहन नहीं किया जाएगा। आश्चर्य होता है कि ये लोग खाते हिंदुस्तान का, लेकिन, बातें दूसरे देश की करते हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि देशद्रोह की बातें करना महबूबा मुफ्ती को महंगा पड़ेगा।' सारंग ने धर्मांतरण को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'धर्मांतरण के मामलों को लेकर हमारी सरकार पूरी तरह से सख्त है। हम ऐसे मामलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। धर्मांतरण के मामलों में पुलिस कानून के तहत कार्रवाई करेगी। स्पष्ट निर्देश है कि मध्य प्रदेश में लालच, दबाव या किसी भी तरह से कराए गए धर्मांतरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। यह सुनिश्चित करना हमारा काम है।'

भारत की ब्रह्मोस की दुनिया हुई दीवानी, फिलीपींस के बाद अब 3 और देश इस खरीदने को तैयार

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रुस ने मिलकर बनाया

नई दिल्ली/मास्को (एजेंसी)। भारत और रूस की मिलकर बनाई गई दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के प्रति दुनिया की दीवानगी बढ़ती जा रही है। चीन की आक्रामकता से परेशान फिलीपींस के बाद अब 3 और देश ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीद सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के संयुक्त प्रबंध निदेशक रूस के अलेक्जेंडर बी माकसेचिक ने बताया कि चीन का पड़ोसी देश वियतनाम, दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम मुल्क इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात मिसाइल के बारे में बातचीत कर रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी स्पीड और सटीक हमले के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशिनोस्टरॉयएनिया ने मिलकर तैयार किया है। एलेक्जेंडर ने कहा, यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम पहली नजर में मिसाइल में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तीन देशों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई के लिए समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने नहीं बताया कि मिसाइल डील के लिए यह बातचीत अभी कहां तक पहुंची है। फिलीपीन दुनिया का पहला देश था जो कि ब्रह्मोस मिसाइल खरीद चुका है।

ब्रह्मोस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। यह मिसाइल भारत की तीनों ही सेनाओं में शामिल है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 300 से लेकर 500 किमी तक है। यह मिसाइल स्टील्थ तकनीक से लैस है, इसकारण मार गिराना दुश्मन के लिए आसान नहीं होता है। अब दोनों ही ब्रह्मोस मिसाइल के हाइपरसोनिक संस्करण पर मिलकर काम कर रहे हैं। इस ब्रह्मोस 2 नाम दिया गया है। यह नई मिसाइल मैक 6 की हाइपरसोनिक स्पीड से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम होगी।

नई ब्रह्मोस मिसाइल के अंदर हाइपरसोनिक स्क्रैमजेट तकनीक लगेगी। इसके पहले फिलीपीन ने भारत के साथ साल 2022 में 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का समझौता किया था। भारत ने फिलीपीन को एंटी शिप ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई भी कर दी है। दुनिया में बढ़ रहे तनाव के बीच अब यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम भी भारत-रूस की इस मिसाइल की ओर देख रहे हैं। भारत के इन तीनों ही देशों के साथ करीबी संबंध हैं। वियतनाम और इंडोनेशिया जहां चीन की दादागिरी से पेरशान हैं, वहीं यूएई को ईरान और उसके प्राक्सी संगठनों के मिसाइलों से डर सताता रहता है। इसकारण वहां भी भारत के ब्रह्मोस की तरफ देख रहे हैं।